News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-277
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कुछ चीज़ें ज़िंदगी बदल देती हैं, चाहे वो मिले या न मिले।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 11 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

रामलला का अभिषेक कर उतारेंगे महाआरती - सीएम योगी

रामनगरी अयोध्या में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ को लेकर अयोध्या सज-धज कर तैयार है। तीन दिवसीय प्रतिष्ठा द्वादशी के उत्सव का उल्लास शनिवार से छलकने लगेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ उत्सव का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री कुछ देर में अयोध्या पहुंच जाएंगे। पांच घंटे अयोध्या में रहेंगे। वे रामलला का अभिषेक कर महाआरती उतारेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे अंगद टीला पर पहली बार श्रद्धालुओं व मेहमानों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। मुझे विश्वास है कि यह दिव्य-भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा। रामभक्ति में झूमे हैदराबाद से पहुंचे किन्नर श्रद्धालुप्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर हैदराबाद से किन्नर समाज के श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे। इस मौके पर वह भक्ति भाव से झूमते नजर आए। रामलला के दरबार में श्रद्धालु नाचते गाते पहुंचे। वह श्रीराम की भक्ति में लीन दिखे। आराध्य के दर्शन को आतुर श्रद्धालु परिवार के साथ राम दरबार में पहुंचे।

बालक राम की छवि के रूप में पहुंचा बालक रामलला के प्रति प्रेम में विह्वल लोग आराध्य के दर्शन को पहुंच रहे हैं। इसी बीच एक बालक पहुंचा, जो बालक राम की छवि का रूप धारण किए था। देखने के लिए लोग जमा हो गए। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर उत्सव का माहौल है। राम मंदिर को भव्य रूप में सजाया गया है। देश ही नहीं विदेशों से भी श्रद्धालु दर्शन को पहुंच रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर श्रद्धालुओं का तांता अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन को पहुंच रहे हैं।

बालक राम के लिए दिल्ली में तैयार किए गए विशेष वस्त्र राम मंदिर में विराजमान बालकराम पीतांबरी पहनकर दर्शन देंगे। रामलला की उत्सव मूर्ति व बालक राम के लिए दिल्ली में विशेष वस्त्र तैयार किए गए हैं। इन वस्त्रों की बुनाई व कढ़ाई सोने-चांदी के तार से की गई है। साथ ही जगह-जगह चांदी की छाप भी बनाई गई है।

कुछ देर में CM योगी पहुंचेंगे अयोध्या, रामलला का अभिषेक कर उतारेंगे महाआरती श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के प्रथम वार्षिकोत्सव प्रतिष्ठा द्वादशी पर शनिवार से 13 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पहले दिन 11 जनवरी को रामलला का महाभिषेक, श्रृंगार, भोग और प्राकट्य आरती होगी। इसके बाद दोपहर 2:00 बजे से 5:00 बजे तक मुख्य समारोह आयोजित होगा। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। तीनों दिन अंगद टीला पर रामचरितमानस का पाठ, रामायण प्रवचन, श्रीराम जन्म कथा और सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। रामलला के दर्शनार्थियों के लिए महाप्रसादम का वितरण भी किया जाएगा। इसी कड़ी में श्रीराम राग सेवा और बधाई गान के भी कार्यक्रम होंगे। प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ समारोह के मौके पर तीनों दिन रामलला के सभी आरती पास और विशिष्ट दर्शन पास निरस्त रहेंगे। आरती के समय भी श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। ऐसे में दर्शन अवधि में करीब डेढ़ घंटे की वृद्धि हो जाएगी।

मप्र में श्रद्धा जैसा कांड

देवास में 10 महीने तक बंद कमरे में पड़ी रही महिला की लाश

लाइट कटने पर हुआ खुलासा, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

देवास। देवास की वृंदावन धाम कॉलोनी के मकान नंबर 128 में शुक्रवार सुबह एक महिला की लाश फ्रिज में मिली। इस मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने बताया है कि महिला की हत्या करने वाला शख्स महिला के साथ लिव इन में रहता था। महिला उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इससे परेशान होकर उसने ऐसा कदम उठाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, बैंक नोट प्रेस पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी। एसपी पुनीत गहलोत ने बताया कि जिस मकान में महिला का शव मिला है, उसी मकान में संजय पाटीदार किराएदार था। पिछले 5 साल से प्रतिभा उर्फ पिंकी प्रजापति के साथ वह लिव इन रिलेशन में था। मृतका प्रतिभा शादी के लिए संजय पर दबाव बना रही थी, जिससे परेशान होकर संजय ने अपने साथी विनोद दवे के साथ मिलकर उसको रास्ते से हटाने के लिए प्लान बनाया और मार्च 2024 में प्रतिभा की गला घोंटकर हत्या कर दी। फ्रिज में शव मार्च 2024 से ही शव रखा हुआ था।

साथी के साथ मिलकर की थी हत्या एसपी ने बताया कि हत्या करने के बाद संजय ने लाश को फ्रिज में बंद कर दिया था। पुलिस ने बताया कि संजय पहले से ही शादीशुदा है। संजय और उसका साथी विनोद दवे इंगोरिया जिला उज्जैन के निवासी हैं। विनोद इस समय राजस्थान की जेल में बंद है और पुलिस उनसे भी पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। वहीं आरोपी संजय कृषि का काम करता है।

मकान खाली कर कुछ सामान छोड़ दिया था बीएनपी थाना प्रभारी अमित सोलंकी ने बताया कि मकान मालिक धीरेंद्र श्रीवास्तव ने जुलाई 2023 में यह मकान संजय पाटीदार को किराए पर दिया था। संजय ने जून 2024 में मकान खाली कर दिया, लेकिन एक कमरे में अपना कुछ सामान छोड़ दिया था, जिसमें एक फ्रिज भी शामिल था। इसी फ्रिज में शव छिपा दिया था। उसने मकान मालिक से कहा था कि वो कमरा बाद में खाली कर देगा। मकान में रहने वाले दूसरे किराएदारों के मुताबिक संजय कभी कभी मकान पर आया करता था और अकेला ही आता था।

जब लाइट कट गई तो आने लगी दुर्गंध बताया जा रहा है कि रात के समय में जब लाइट कट गई तो कमरे से दुर्गंध आने लगी। जिससे परेशान होकर उसी मकान में रहने वाले किराएदार बलवीर सिंह ने मकान मालिक के साथ ही बैंक नोट प्रेस थाना पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। मौके पर पुलिस ने महिला का शव बरामद किया था। आरोपी संजय पाटीदार उसी मकान में किराएदार था। जून माह में वह मकान खाली कर चुका है, लेकिन फ्रिज समेत कुछ सामान यहां दो कमरों में मौजूद था।

साड़ी और चूड़ी बेचती थी महिला पड़ोसियों का कहना है कि महिला इस मकान में रहकर साड़ी और चूड़ी बेचने का काम करती थी। वर्तमान में मकान में बलवीर सिंह अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। वे पिछले चार महीने से यहां किराए पर रह रहे हैं। मकान का किराया 7 हजार रुपए है। बलवीर सिंह ने बताया कि मकान में दो कमरे पहले के किराएदार ने खाली नहीं किए थे, जिनमें एक मास्टर बेडरूम और एक स्टडी रूम शामिल था। इन्हीं में से एक कमरे में फ्रिज रखा हुआ था। शुक्रवार को बलवीर सिंह ने बदबू के कारण उस कमरे का ताला तोड़ा और फ्रिज खोला, तब इस भयावह घटना का खुलासा हुआ।

मप्र एटीएस के इंस्पेक्टर सहित नौ पुलिसकर्मियों पर गुरुग्राम में हत्या का केस

साइबर ठगी के आरोपी की बालकनी से कूदने से हो गई थी मौत, एटीएस के इंस्पेक्टर सहित नौ पुलिसकर्मी फंसे

भोपाल। मध्यप्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की एक टीम टेरर फंडिंग के संदिग्धों की धरपकड़ के लिए हरियाणा के गुरुग्राम पहुंची थी। एटीएस ने स्थानीय पुलिस को बिना सूचना दिए चार युवकों को धरदबोचा और गुरुग्राम के सोहना सब डिवीजन के एक होटल में ले जाकर पूछताछ करने लगे। एटीएस की टीम उस होटल में करीब एक सप्ताह से ठहरी हुई थी। पूछताछ के दौरान हिमांशु नाम का संदिग्ध बाथरूम जाने के बहाने कमरे से निकला और होटल की तीसरी मंजिल की गैलरी से छलांग लगा दी। सिर के बल नीचे गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना दो दिन पहले की है। इस मामले में हरियाणा की गुरुग्राम पुलिस ने मप्र एटीएस की टीम पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि मप्र एटीएस की टीम निरीक्षक राहुल शर्मा के नेतृत्व में गुरुग्राम गई थी। टीम में उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक भी शामिल हैं। पुलिस हिरासत में मौत का मामला सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस ने जुडीशियल जांच भी करा रही है। वहीं इस तरह की लापरवाही सामने आने के बाद मप्र के डीजी ने भी विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। डीजीपी कैलाश मकवाणा के निर्देश पर आईजी लॉ एण्ड ऑर्डर अंशुमान सिंह को गुरुग्राम गई मप्र एटीएस की टीम की विभागीय जांच का जिम्मा सौंपा गया है। एटीएस की टीम भी अब वापस भोपाल आ गई है। एडीजी इंटेलीजेंस योगेश देशमुख से गुरुग्राम गई एटीएस टीम के सभी सदस्यों को निलंबित कर दिया है।

धक्का देकर हत्या कराने का आरोप टीम सोहना के बस स्टैंड के पास सेफ्रोन होटल में ठहरी थी, जबकि इसके सामने ही पुलिस थाना है। हिमांशु के परिवार ने एटीएस टीम पर टार्चर करने और बालकनी से धक्का देकर नीचे गिराकर हत्या करने का आरोप लगाया है। गुरुग्राम पुलिस के अधिकारियों ने जांच के बाद ग्वालियर एटीएस टीम पर हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

सोहना पुलिस होटल के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच कर रही है, घटना के मूल कारणों का पता लगाया जा सके। इधर एमपी एटीएस का दावा है कि वह टेरर फंडिंग की पुख्ता सूचना के बाद ही पूछताछ करने के लिए चारों युवकों को उठाया था। हिमांशु और उसका एक और दोस्त टेरर फंडिंग के मुख्य सूत्रधार थे।

वारंट नहीं होने से उलझी एमपी एटीएस टीम पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ के दौरान संदिग्ध की मौत का यह पहला मामला नहीं है। दूसरा राज्य होने और संदिग्धों से पूछताछ का कोई वारंट नहीं होने, स्थानीय पुलिस को अपने ऑपरेशन में शामिल नहीं करने के कारण एमपी एटीएस को स्थानीय पुलिस हिमांशु की मौत के बाद सहयोग नहीं कर रही और हत्या जैसे संगीन अपराध में प्रकरण दर्ज किया है। अगर संदिग्धों से पूछताछ का कोई वारंट या पहले से कोई अपराध दर्ज होता को एमपी पुलिस बच सकती थी।

पुलिस का दावा- हिमांशु टेरर फंडिंग का मुख्य सूत्रधार इधर मप्र पुलिस के आला अधिकारियों ने दावा किया है कि एटीएस की टीम पुख्ता सूचना के बाद दबिश देने पहुंची थी। चार युवकों से पूछताछ कर रही थी। संदिग्धों के पास से एक दर्जन से अधिक लैपटॉप, टैबलेट, तीन दर्जन से अधिक मोबाइल फोन और करीब 80 एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। हिमांशु बिहार से पढ़ाई करने और पुलिस-सेना भर्ती की तैयारी करने दिल्ली आया था, लेकिन यहां वह पैसों की लालच में टेरर फंडिंग में फंस गया। टेरर फंडिंग का मुख्य सूत्रधार हिमांशु को ही बताया जा रहा है, जबकि उसके साथी भी इनमें शामिल थे। हिमांश की मौत के बाद बाकी को पुलिस ने छोड़ दिया है, लेकिन अब मामले की जांच मध्यप्रदेश साइबर सेल और एटीएस दोनों एजेंसियां मिलकर कर रही हैं।

सीएम डॉ. यादव बोले- पीएससी के तीन वर्ष के पद 2025 में भरे जाएंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल में विभिन्न विभागों में चयनित शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें कहा कि मध्य प्रदेश में पिछले तीन वर्षों की पीएससी परीक्षाओं को इस वर्ष आयोजित किया जाएगा। रविंद्र भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम ने कुल 362 चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग के 256 कृषि विस्तार अधिकारी, पशुपालन और डेयरी विभाग के 70 सहायक पशु चिकित्सक और राजस्व विभाग के 36 नव-चयनित नायब तहसीलदार शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मनाने की परंपरा आरंभ की गई है। युवा अपने सपनों को साकार करें, जीवन में आगे बढ़ें, प्रदेश और समाज को आगे बढ़ाएं, इस उद्देश्य से राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए तत्पर है। युवाओं के जीवन में एक नया सूर्य ऊगे, वे अपने जीवन को आलौकिक करें, अपनी ऊर्जा का समाज हित में उपयोग करें, युवा दिवस के संदर्भ में युवाओं से यही अपील है।

प्रदेश में सभी भर्तियां तेज गति से की जाएंगी मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा दिवस के अवसर पर प्रदेश की लाड़ली बहनों को जनवरी माह की अनुदान राशि का अंतरण कालापीपल जिला शाजापुर से किया जाएगा। युवाओं को उन्नति और प्रगति के सभी अवसर प्राप्त हों इस उद्देश्य से राज्य सरकार बहुआयामी गतिविधियां संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने सरकार के गठन के समय कहा था कि प्रदेश में सभी भर्तियां त्वरित गति से की जाएगी।

आर्मी चीफ बोले- वेतन के लिए नहीं वतन के लिए फौज में आएं...

नई दिल्ली। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि अगर मैं आर्मी में नहीं होता तो या तो नेवी में सबमरीनर होता या फिर एयरफोर्स में फाइटर पायलट होगा। एक कार्यक्रम में जनरल द्विवेदी ने बताया कि मौजूदा एयरफोर्स चीफ मेरे कोर्समेट हैं और उन्होंने मुझसे वादा किया है कि अगली बार जब वेभारत निर्मित एलएसी तेजस फ्लाई करेंगे तो मैं भी उनके साथ उड़ान भरूंगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हमारी पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत कहा करते थे- खामोशी से बनाओ पहचान अपनी, हवाएं खुद ब खुद तुम्हारा तराना गाएंगी। मतलब हार्ड वर्क करो, लक्ष्य तय करो, लोगों के लिए भलाई का काम करो, टीम को साथ लेकर चलो। शोहरत या रिकॉग्निशन आपको खुद आपको खुद मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेरा सभी को एक ही मैसेज है कि आप जो भी जिन्दगी में करना चाहते हो उसके लिए आज से तैयारी शुरू करो और लग जाओ। अगर फौज में आना चाहते हो तो फौज एक अच्छा जरिया है जिसके जरिए आप अपनी उमंगों को, एडवंचर को सब हासिल कर सकते हैं। लेकिन फौज में आना चाहते हैं तो वतन के लिए आए वेतन के लिए नहीं। आर्मी चीफ ने कहा कि हमारे टीचर्स अपने परिवार से ज्यादा हमारा ख्याल रखते थे और हमेशा यही समझाते थे बेटा कितने भी बड़े बन जाओ हमेशा जमीन पे रहो।

सीढ़ियां चढ़ने समय कक्षा तीन की छात्रा की कार्डियक अरेस्ट से मौत

अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद में कार्डियक अरेस्ट से तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची की स्कूल में मौत हो गई। बच्ची अपने बैग और टिफिन बॉक्स को लेकर कॉरीडोर में मौजूद थी। तभी उसे स्कूल के कॉरीडोर में कुछ दिक्कत महसूस हुई। वह कॉरीडोर में पड़ी एक लंबी कुर्सी पर बैठ गई। कुछ ही सेकेंड बाद तीसरी कक्षा की छात्रा वहीं पर गिर पड़ी। पास में मौजूद महिला स्टॉफ ने बच्ची को उठाया लेकिन उसे सीपीआर दिया गया। इसके बाद बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। डॉक्टरों ने बच्ची की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई है। यह चौंकाने वाली घटना अहमदाबाद के थलतेज इलाके में स्थित जेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रन में सामने आई। जानकारी के अनुसार तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा को सीने में दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उनकी मौत हो गई। छात्रा की पहचान गार्गी रानपारा (करीब 9 साल) नाम की एक लड़की सुबह करीब 7.30 बजे ऑटो-रिक्शा से स्कूल पहुंची थी। स्कूल के कर्मचारियों ने बच्ची को सीपीआर दिया, लेकिन जब वह नहीं उठी, तो उसे पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया और प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि उसकी मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई। स्कूल की प्रिंसिपल शर्मिष्ठा सिन्हा ने कहा कि लड़की के माता-पिता मुंबई में थे। उन्हें सूचित किया गया। भर्ती के समय हमने यह पुष्टि करने वाले दस्तावेज लिए थे कि बच्ची कोई बीमारी नहीं थी।

पोर्न स्टार केस...सजा पाने वाले अमेरिकी इतिहास के पहले राष्ट्रपति बने ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप अमेरिकी इतिहास के पहले ऐसे राष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्हें सजा सुनाई गई है। ट्रंप को शुक्रवार को पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने वाले मामले में कोर्ट ने सजा सुनाई। इस दौरान कोर्ट ने ट्रम्प को बिना किसी शर्त के बरी भी कर दिया है। ट्रम्प वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट के सामने पेश हुए। कोर्ट रूम में 4 बड़ी स्क्रीन लगाई गई, ट्रम्प सजा सुनाए जाने के दौरान इन पर नजर आए। फैसला सुनाते हुए जस्टिस मर्चेन ने कहा कि मैं आपके दूसरे कार्यकाल में सफलता की कामना करता हूं।

अपराधी साबित हो चुके शख्स के तौर पर जाने जाएंगे

ट्रम्प को मिली यह सजा सिर्फ सांकेतिक थी, इसका मतलब यह है कि उन्हें न तो जेल होगी और न ही उन्हें कोई जुर्माना भरना पड़ेगा। हालांकि वे एक अपराधी साबित हो चुके शख्स के तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति की शपथ लेंगे जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचेगा। जस्टिस मर्चेन ने कोर्ट को कहा कि इस देश के सर्वोच्च पद (राष्ट्रपति) की शक्तियों में दखलंदाजी किए बगैर ट्रम्प को बिना शर्त छोड़ना ही सही सजा होगी। ट्रम्प ये सुनकर चुप रहे और उनकी स्क्रीन एकदम से बंद हो गई।

शपथ ग्रहण से ठीक 10 दिन पहले सजा

ट्रम्प को उनके शपथ ग्रहण से ठीक 10 दिन पहले सजा सुनाई गई। उन्हें ये सजा पिछले साल जुलाई में ही सुनाई जानी थी, जिसका खामियाजा उन्हें चुनाव में भुगतना पड़ता। इसके चलते वे बार-बार सजा को टलवाते रहे। ट्रम्प ने 6 नवंबर को हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में जीती हासिल हुई थी और वे 20 जनवरी को शपथ लेने वाले हैं। ट्रम्प ने सजा से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। हालांकि कोर्ट ने गुरुवार को उनकी अर्जी खारिज कर दी थी।

डकाच्या से लेकर पीथमपुर के बीच 77 किमी लंबे पूर्वी रिंगरोड पर खर्च होंगे चार हजार करोड़

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। डकाच्या से लेकर पीथमपुर के बीच बनने वाली पूर्वी रिंगरोड को लेकर रास्ता साफ हो गया है। सड़क को बनाने का काम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को सौंप दिया है। 77 किमी लंबे इस मार्ग के निर्माण में चार हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

यह निर्णय गुरुवार को एयरपोर्ट लाउज में बैठक में रखी गई, जिसमें सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने सड़क बनाने के लिए जमीन से जुड़ी प्रक्रिया प्रदेश सरकार को पूरी करने पर जोर दिया। मौके पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी मौजूद थे, जिन्होंने भूमि अधिग्रहण जल्द शुरू करने पर सहमति दी। बैठक में एनएचएआइ के विभिन्न प्रोजेक्ट पर चर्चा की गई। सिंहस्थ के लिए उज्जैन

को जोड़ने वाली पश्चिमी-पूर्वी रिंगरोड बनाने को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। पश्चिमी रिंगरोड एनएचएआइ बना रहा है।

परंतु अभी तक पूर्वी रिंगरोड को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई थी, क्योंकि सड़क बनाने को लेकर एजेंसी तय करना बाकी था।मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) और एनएचएआइ पर प्रदेश सरकार मंथन करने में लगी थी।

38 गांव से निकलेगी सड़क

चार हजार करोड़ रुपये से बनने वाली पूर्वी रिंगरोड के अंतर्गत सड़क 38 गांव से गुजरेगी, जिसमें कंपेल, खुड़ैल, तिल्लौर, बड़गोंदा, पीथमपुर सहित कई गांव शामिल है।

सड़क को दो हिस्सों में बनाया जाएगा, जिसमें 38 और 39 किमी हिस्सा रखा गया है। अधिकांश सरकारी जमीन से सड़क निकालेंगे। इसमें वनभूमि भी शामिल है।

जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अधूरी

पश्चिमी रिंगरोड को लेकर भी बैठक में बातचीत की गई। 64 किमी लम्बे रिंगरोड के लिए 638 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अभी तक खत्म नहीं हुई है।

इंदौर और धार के 39 गांव आएंगे। 80 मीटर चौड़ी सड़क रहेगी।

महू के पास एबी रोड से सांवेर होते हुए शिप्रा तक सड़क बनाए है, जिसमें बेटमा, हातोद, सांवेर, तराना होते हुए क्षिप्रा से सड़क निकाली जाएगी।

सड़क को लेकर 48 हेक्टेयर वनभूमि की जरूरत है, जिसमें 40 हेक्टेयर इंदौर वनमंडल और 8 हेक्टेयर धार वनमंडल का वनक्षेत्र है।

जीएसटी पोर्टल ठप, रिटर्न भरने की तारीख दो दिन बढ़ी

सिटी चीफ इंदौर।
जीएसटी के मासिक और त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि दो दिन बढ़ा दी गई है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआइसी) ने शुक्रवार शाम इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी। जीएसटी पोर्टल के ठप होने के चलते यह निर्णय लिया गया। दो दिनों से जीएसटी पोर्टल पर रिटर्न ही दाखिल नहीं हो रहे थे। गुरुवार शाम तक पोर्टल बंद रहा। शुक्रवार को फिर सुबह से पोर्टल पर मेंटेनेंस का संदेश आया और शाम 6 बजे बाद तक बंद रहा।

इस बीच मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन, कमर्शियल टैक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन ने ज्ञापन सौंपे। अलग-अलग राज्यों के कर पेशेवरों ने भी ई-मेल और एक्स पर पोस्ट कर शिकायत की।

जीएसटी के मासिक रिटर्न फार्म जीएसटीआर-1 को दाखिल करने की अंतिम तिथि 11 जनवरी और त्रैमासिक पद्धति वालों के लिए इसकी पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 13 जनवरी थी।

तारीख बढ़ने से अब ये रिटर्न क्रमशः 13 जनवरी और 15 जनवरी तक भरे जा सकेंगे।

हमेशा पैसों का निवेश करते चलें

मेरा मानना है कि निवेश करते रहना चाहिए। समय-समय पर पैसों की बचत करते चलें और निवेश भी करते चलें। अक्सर होता यह है कि हम लोग अधिकतर समय सोचने में निकाल देते हैं। समय निकलता चला जाता है और हम कुछ नहीं कर पाते हैं। पता चलता है कि बुढ़ापा आ जाता है और हमारे पास एक रुपये तक बचत का नहीं रहता है।

यदि भविष्य में आर्थिक रूप से समृद्ध बनना है तो निवेश करना शुरू करना ही पड़ेगा। इससे पहले पैसों की बचत करनी होगी।

हर महीने पैसे बचाएं और एक से दो वर्ष में पैसे एकत्रित होने पेंशन प्लान में निवेश करें। साथ ही अलग-अलग कंपनियों की पालिसी लें।

संभव हो जब हमारे दिन अच्छे चल रहे होते हैं, यानि हम खूब पैसे कमाते हैं, उस समय पैसे जोड़कर निवेश जरूर कर लें।

एक, दो, तीन, चार से पांच रुपये होने पर सोने-चांदी में निवेश कर दें। यह निवेश का सबसे अच्छा सेक्टर होता है। इसमें लाभ की अधिक संभावना होती हैं।

सोने-चांदी के अलावा निवेश के अलग-अलग सेक्टर होते हैं। जैसे शेयर मार्केट, म्युअूचल फंड आदि। इन सभी में भी थोड़ा-थोड़ा निवेश करते चलें। जब तक आप हर सेक्टर में थोड़ा-थोड़ा निवेश नहीं करेंगे, तब तक आपको लाभ नहीं होगा। निवेश का सबसे अच्छा लाभ लेना है तो समय पर सोच समझकर निवेश करें।

इंदौर में डॉक्टर से 3 करोड़ की ठगी

चार गुना प्रॉफिट के लालच में फेक ट्रेडिंग हुइ में गंवाए रुपये

सिटी चीफ इंदौर।
ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश की राशि चारगुना करने लालच में डॉक्टर ने 3 करोड़ 4 लाख रुपये गवां दिए। साइबर अपराधियों ने डॉक्टर को विदेशी नंबरों से संचालित एक वाट्सएप ग्रूप से जोड़ा और उनके नाम से फर्जी पोर्टफोलियो भी बना लिया। अपराध शाखा मामले की जांच में जुटी है।

कई बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच चल रही है। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक धोखाधड़ी एलआइजी कॉलोनी निवासी 53 वर्षीय डॉक्टर मोहन सोनी के साथ हुई है।

फेक ट्रेडिंग कंपनी

इसकी शुरुआत पिछले वर्ष 9 अगस्त को फेसबुक के माध्यम से हुई थी। इसके बाद आरती उर्फ आरु भट्ट ने कॉल लगाए और एक लिंक भेज कर डॉक्टर का वेबबुल ट्रेडिंग कंपनी में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा दिया। डॉक्टर ने ऑनलाइन निवेश शुरु किया और उनके नाम से बने वालेट में चारगुना राशि नजर आने लगी।

विश्वास में आकर किए करोड़ों निवेश

डॉक्टर ने दो बार रुपये निकाले तो आसानी से खाते में बैलेंस आ गया। इससे कंपनी पर विश्वास कर आरु के कहे अनुसार एक करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश कर दिए। पिछले साल दीपावली पर डॉक्टर ने रुपये निकालने का प्रयास किया मगर ग्राहक सेवा केंद्र द्वारा बताया कि मुनाफा का 30 प्रतिशत आयकर टैक्स देना पड़ेगा। कंपनी इसकी रसीद देगी जो भारत में भी मान्य होगी।

आरबीआई द्वारा फ्रीज कराने की बात

डॉक्टर ने आरोपितों की बातों में आकर 55 लाख रुपये जमा करवा दिए। इस बार आरु ने डॉक्टर से कहा कि वेबबुल कंपनी द्वारा तो रुपये ट्रांसफर कर दिए मगर भारतीय रिजर्व बैंक ने रोक लगा दी। रुपयों के लिए 30 लाख रुपये जमा कर ग्रीन चैनल ओपन करना होगा।

घबराहट में 30 लाख रुपये भी जमा करवाए

ऐसा न करने पर खाते में जमा रुपये डूब जाऐंगे। डॉक्टर ने घबराहट में 30 लाख रुपये भी जमा करवा दिए।आरोपितों ने तीसरी बार डिजिटल करंसी एंड फंड एग्रीमेंट,डिजिटल करंसी एंड फंड सिक्युरिटी के नाम से 17 लाख 816 रुपये जमा करवाए।

खाते में जमा रुपयों का बीमा का झांसा देकर 25 लाख ऐंठे

आरोपितों ने कहा कि खाते में जमा रुपयों का इंटरनेशनल ब्लाक चेन सर्वर सिक्युरिटी बीमा करवाना पड़ेगा। वरना खाता और रुपये समाप्त कर देंगे। डॉक्टर 9 अगस्त से 29 नवंबर तक कुल 3 करोड़ 4 लाख रुपये आरोपितों द्वारा बताए खातों में जमा करवाते गए।

डॉक्टर ने इंडसइंड, यस बैंक और एसबीआई से 64 बार ट्रांजेक्शन किया। रुपये जमा करवाने के बाद बेटे सोमित्र को घटना बताई और नेशनल साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। नोडल एजेंसी क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को मामले में केस दर्ज कर लिया।

स्पूफ कॉलिंग से कारोबारी को 70 लाख रुपये चपत

साइबर अपराध की चौकाने वाली घटना सामने आई है। अपराधियों ने स्पूफ कॉलिंग के माध्यम से एक कारोबारी के 70 लाख रुपये निकाल लिए। आरोपितों ने अकाउंटेंट का हूबहू आवाज में कॉल लगाया था। हालांकि तुरंत एक्शन में आइ क्राइम ब्रांच ने आरोपितों का खाता फ्रीज कर रुपये बचा लिए।

एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक फरियादी शेयर ब्रोकिंग फर्म का संचालक है। उसने पुलिस को बताया कि आरोपितों ने अकाउंटेंट को वाट्सएप कॉल लगाया था। डिस्प्ले पर फोटो और नंबर भी फर्म संचालक के नंबर थे और नाम भी सही था। उसने इमरजेंसी बता कर 70 लाख रुपये ट्रांसफर करने के निर्देश दिए।

अकाउंटेंट धोखे में आ गया और आरोपितों द्वारा बताए खाते में रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ देर बाद उसने रिटर्न कॉल लगाया तो संचालक ने बताया उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। उसने रुपये ट्रांसफर करने के लिए कॉल नहीं लगाया। मामले की साइबर हेल्प लाइन नंबर 1930 पर शिकायत की गई। पुलिस ने तत्काल खाते फ्रीज कर रुपये बचा लिए।

सोनू बनकर लड़कियों को जाल में फंसाता था सोहेल

100 से अधिक युवतियों के साथ मिली Chat

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार दोपहर सोहेल खान नामक युवक को पकड़ा।मूलतः मनावर निवासी सोहेल पर लव जिहाद का आरोप लगाया है।सोहेल के फोन में हिंदू युवतियों से चैटिंग मिली है।आरोपित सस्ते दामों पर मोबाइल और एसेसरीज देने का प्रलोभन देता था।

असली नाम जान चौंक गई लड़की

पदाधिकारियों के मुताबिक सोहेल मारवाड़ी को खंडवा रोड़ स्थित एक कैफे से पकड़ा गया है। वह कॉलेज छात्रा के साथ आया था। युवती से पूछने पर कहा सोहेल ने उसे सोनू मारवाड़ी नाम बताया था। वास्तविकता बताने पर युवती भी

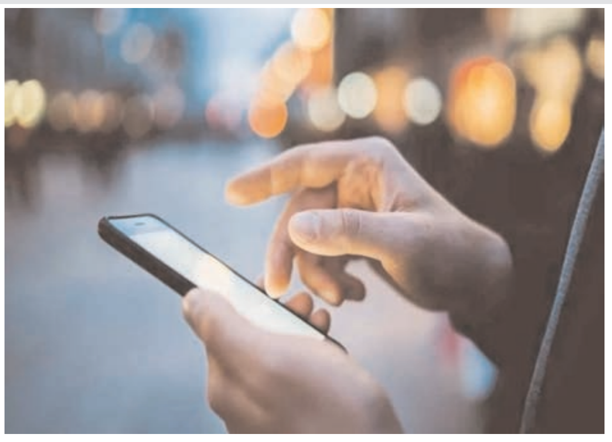

चौक गई। मौके पर समाजजन को बुलाया और युवती को समझाइस दी।

फोन में 100 लड़कियों के नंबर, देता था झांसा

सोहेल का फोन चेक करने पर करीब 100 युवतियों के नंबर मिलें, जिसमें ज्यादातर कॉलेज छात्राएं थी। आरोपित उनसे चैटिंग करता था। सोनू नाम बताकर उन्हें फोन और एसेसरीज दिलवाने का झांसा देता था। पुलिस ने युवती से बात की लेकिन उसने रिपोर्ट करने से मना कर दिया। पुलिस सोहेल के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर रही है।

युवती से बात करने पर विवाद, छह पर FIR

एरोड्रम थाना अंतर्गत धर्मराज कालोनी में बुधवार को दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ऋतु मिठोरा के मुताबिक आरोपित एकलव्य यादव बेटी से बात करता है।

बेटा रौनक समझाने गया तो घनश्याम,अभिषेक आदी ने हमला कर दिया। दूसरी तरफ से पिंकी यादव ने रवि मिठोरा,रौनक मिठोरा और ऋतु के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया है।

महाकुंभ के लिए इंदौर से हर शनिवार फ्लाइट

4.5 हजार की टिकट के दाम हुए 20 हजार

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। प्रयागराज महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और आरामदायक सफर के लिए इंदौर से अलायंस एयर ने सीधी विमान सेवा की घोषणा करते हुए एक सप्ताह पहले बुकिंग शुरू की गई थी। पहली उड़ान शनिवार रात्रि में रवाना होगी और इसकी सभी सीटे एक दिन पहले ही बुक हो गईं।

4.5 हजार का टिकट 20 हजार तक पहुंचा

दो घंटे में महाकुंभ में पहुंचने के लिए लोगों ने 15 से 20 हजार रुपये तक खर्च किए हैं। 3 जनवरी को टिकट साढ़े चार हजार का था, जो शुक्रवार को 20 हजार तक

पहुंच गया।

उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ में देशभर के साथ ही इंदौर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं के आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए ट्रेन के साथ हवाई सफर की सुविधा भी उपलब्ध हो रही है।

शनिवार को इंदौर से उड़ान, सोमवार को प्रयागराज से

अलायंस एयर ने एक सप्ताह पहले प्रयागराज उड़ान की घोषणा करते हुए बुकिंग शुरू की थी। यह उड़ान जनवरी में सप्ताह में एक दिन शनिवार रात्रि में इंदौर से रवाना होगी और सोमवार को प्रयागराज से इंदौर आएगी।

सभी सीटें हुईं फुल

11 जनवरी को जाने वाले छोटे विमान की सभी 70 सीटे बुक हो चुकी हैं। रविवार से ही फ्लाइट का टिकट जाने में 15 हजार पार पहुंच गया था। आने में भी टिकट के दाम इसके आसपास पहुंच गए हैं। ट्रेलव एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेन्द्र सिंह जादोन का कहना है कि कुम्भ पहुंचने के लिए एक ही सीधी उड़ान होने से लोग अधिक बुकिंग करवा रहे हैं, इसलिए इसके फेयर बढ़े हुए हैं। उड़ान के कारण लोगों का जाने और आने का समय भी बच रहा है।

तीन दिन ही मिलेगी सुविधा

इंदौर-प्रयागराज उड़ान शनिवार को दिल्ली से इंदौर आकर प्रयागराज जाएगी और सोमवार को प्रयागराज से इंदौर आकर दिल्ली जाएगी। इंदौर से प्रयागराज के लिए 11, 18 और 25 जनवरी को उड़ान संचालित होगी और प्रयागराज से इंदौर के लिए 13, 20 और 27 जनवरी को उड़ान संचालित होगी।

यह होगा इंदौर-प्रयागराज उड़ान का शेड्यूल

इंदौर-प्रयागराज - उड़ान संख्या 9आई 342 इंदौर से रात्रि 8.05 बजे रवाना होकर रात्रि 10.05 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

प्रयागराज-इंदौर - उड़ान संख्या 9आई 340 प्रयागराज से रात्रि 7.40 बजे रवाना होकर रात्रि 9.40 बजे इंदौर पहुंचेगी।

मप्र कांग्रेस ने खड़ी की बड़ी टीम, कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ साइडलाइन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के संगठन में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी सौंप दी है। कांग्रेस कमेटी के अलग-अलग विभागों का इंचार्ज बनाया गया है। इस बदलाव में उन नेताओं को भी खुश करने की कोशिश की गई है जो कि जीतू पटवारी से नाराज नजर आ रहे थे। राजीव सिंह को पटवारी ने अपना राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। राजीव सिंह वहीं नेता हैं जिन्होंने संगठन प्रभारी पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर दी थी। प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव प्रबंधन को लेकर राजनीतिक सलाहकार, प्रशिक्षण विभाग, यूथ कांग्रेस मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई जैसे 35 विभागों के

प्रभारी नियुक्त किए हैं।

दिग्गी राजा के बेटे को बड़ी जिम्मेदारी

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे और राघोगढ़ से विधायक जयवर्धन सिंह को युवा कांग्रेस का इंचार्ज बनाया गया है। इन दिनों जीतू पटवारी और जयवर्धन सिंह की जोड़ी भी चचाओं में है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में छिंदवाड़ा से विधायक कमलनाथ के बेटे और छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुल नाथ का नाम इस सूची में नहीं है। कयास हैं कि नाथ परिवार को लगातार कांग्रेस पार्टी में साइडलाइन का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण सियासी गलियारों में भी हलचल तेज हो गई हैं।

इनको भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

पूर्व विधायक हिना कमरे को महिला कांग्रेस की जिम्मेदारी सौंप गई है। वहीं प्रियव्रत सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ ही चुनाव प्रबंधन का प्रभारी बनाया गया है। पूर्व मंत्री पीपी शर्मा सरकारी कर्मचारी संगठनों से समन्वय का काम देखेंगे। केके मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का मीडिया सलाहकार बनाया गया है। जेपी धनोपिया चुनाव आयोग और कानूनी कार्य जबकि डॉक्टर आनंद राय को सिविल सोसाइटी संबंधी मामले का प्रभारी बनाया गया है।

इन नेताओं को भी मिले मौके

इसके अलावा ट्रेनिंग विभाग का प्रभारी महेंद्र जोशी, सह प्रभारी विभाग बिंदु डागोर को मिला है। जीतू पटवारी के राजनीतिक सलाहकार राजीव सिंह को बनाया गया है। आतिफ अकील सह प्रभारी प्रशासकीय सम्मान, प्रशासन समन्वय प्रभारी आरिफ मसूद को बनाया गया है। संगठन उपाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, सह प्रभारी व जिला प्रभारी के समन्वय और मॉनिटरिंग प्रभारी चौधरी राकेश सिंह को बनाया गया है। सेल एवं डिपार्टमेंट के प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान, युवा कांग्रेस एंपावरमेंट प्रोग्राम प्लानिंग एंड इंप्लीमेंटेशन के प्रभारी जयवर्धन सिंह और सह प्रभारी पंकज उपाध्याय को बनाया गया है। इसके अलावा कई अन्य नेताओं को भी विभिन्न विभागों में मौका दिया गया है।

पीसीसी में पहली बार संगठन में दो प्रभारी बनाए

इससे पहले गुरुवार को ही प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को पत्र लिखकर पद छोड़ने की पेशकश की। राजीव सिंह का इस्तीफा सामने आने के घंटे भर बाद ही पीसीसी में कार्य विभाजन हो गया। इस कार्य विभाजन में पटवारी ने पूर्व विधायक प्रियव्रत सिंह को उपाध्यक्ष संगठन और पीसीसी के प्रशासन प्रभारी संजय कामले को संगठन का प्रभारी नियुक्त कर दिया। कांग्रेस के प्रशासन की जिम्मेदारी कामले की जगह गौरव रघुवंशी को दी है। पीसीसी में पहली बार ऐसा हुआ है कि संगठन में दो प्रभारी बनाए गए हैं। राजीव सिंह ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नाम पर पत्र में लिखा- ह्यजीतू पटवारी जी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर आपकी नियुक्ति को एक साल से अधिक समय हो गया है। आपकी नियुक्ति के तुरंत बाद मैंने स्वयं ही आग्रह किया था कि मैं कई सालों से प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रभारी संगठन एवं प्रभारी प्रशासन के पद पर काम कर रहा हूं। नए लोगों को अवसर मिलना चाहिए यह मेरी मान्यता है। क्योंकि, प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन हो गया है। कई लोगों को विभिन्न दायित्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिया गया है। राजीव सिंह ने आगे लिखा- मेरा पुनः आग्रह है कि प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी के पद पर आप किसी योग्य साथी को अवसर देने की कृपा करें । मैं प्रदेश कांग्रेस का पदाधिकारी होने के नाते राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगठन के संबंध में जो भी काम और दायित्व मुझे दिए जाएंगे। मैं उनका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ करता रहूंगा।

भोपाल की सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा

मंत्री सारंग ने खुद सामने खड़े होकर अवैध कब्जों पर चलवाई जेसीबी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल में के सरकारी जमीनों पर लगातार अवैध कब्जा बढ़ता जा रहा है नगर निगम भूमिया पर कंट्रोल करने में नाकाम साबित हो रहा है अब मंत्री विश्वास सारंग ने सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा हटाने की मुहिम छेड़ दी है। मंत्री सारंग लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की गई। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने खुद सामने खड़े होकर कार्रवाई करवाई। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री सारंग के निर्देश पर एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने करोंद इलाके में कार्रवाई की। यहां पर सरकारी जमीन पर प्लाटिंग की जा रही थी। यह देख मंत्री सारंग नाराज हो गए और उन्होंने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और निगम अमला हरकत में आ गया। कुछ ही देर में जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण भी हटा दिया गया।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई

मंत्री सारंग खुद नगर निगम अमले के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध निर्माण को तत्काल तोड़ने के निर्देश दिए। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ताकि, हंगामा होने पर सख्ती से निपटा जा सके। निरीक्षण के दौरान यह पाया कि सरकारी भूमि पर बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा था। मंत्री सारंग ने इसे गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि शासकीय भूमि पर हो रहे सभी अवैध निर्माण तुरंत प्रभाव से हटाए जाएं और भविष्य में इस तरह के मामलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

सरकारी जमीन पर कब्जा कर गरीबों को कर रहे गुमराह

मंत्री सारंग ने शासकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फेंसिंग लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि भू-माफिया शासकीय जमीनों पर कब्जा कर गरीब जनता को गुमराह कर भूमि का विक्रय करते हैं। जिससे जनता और शासन दोनों का नुकसान होता है। शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री सारंग ने बताया, इस अभियान को और अधिक सख्ती से चलाया जाएगा। उन्होंने नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में सर्वे के जरिए अवैध कब्जों की पहचान कर समय रहते उचित कार्रवाई करें।

एक दिन पहले भी हुई थी कार्रवाई

भोपाल के करोंद इलाके में सरकारी जमीन पर अवैध प्लाटिंग की शिकायत पर गुरुवार को भी मंत्री विश्वास सारंग औचक निरीक्षण करने निकले थे। जैसे ही मंत्री एक जगह पर पहुंचे, उन्हें देख अवैध प्लाटिंग कर रहे लोग गाड़ी छोड़कर भाग निकले थे। इस गाड़ी को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया था। मंत्री ने करोंद, पलासी, बड़वाई और रसुल्ली क्षेत्र का निरीक्षण किया था।

प्रॉपर्टी पर कब्जा कर गाड़ियां भी छीन लेता था पूर्व पार्षद

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। सागर जिले में आयकर विभाग ने हाल ही में केशरवानी परिवार के ठिकानों पर छापेमारी की, जिसमें कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। बीड़ी और कंस्ट्रक्शन कारोबार से जुड़े राजेश और बृजेश केशरवानी ब्याज पर पैसे देने का काम करते थे। इसी धंधे से वह करोड़पति बने। उन्होंने लोगों को ब्याज पर खूब पैसा दिया, जिसे नहीं चुकाने पर उनकी गाड़ियां छीन ली और प्रॉपर्टी पर भी कब्जा कर लिया। आईटी के छापे में उनके पास से सात फार्च्यूनर, क्रिस्टा और इनोवा जैसी लग्जरी कारें मिली है। साथ ही चार किलो 700 ग्राम सोने के साथ करोड़ों के लेनदेन के दस्तावेज भी मिले हैं। दअरसल, आयकर विभाग ने तीन दिन पहले सागर में तीन प्रमुख ठिकानों पर छापा मारा था। जिसमें भाजपा के पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर और पूर्व पार्षद राजेश और बृजेश केशरवानी के ठिकानों की जांच की गई थी। इन छापेमारियों में विभाग को 150 करोड़ रुपये की संपत्ति के दस्तावेज मिले, जिनमें 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति के बेनामी होने की जानकारी सामने आई है। आयकर विभाग को छापेमारी में 150 करोड़ की टैक्स चोरी का भी पता चला है। हालांकि, टीम अभी दस्तावेजों की जांच कर रही है। जिसके बाद और बड़े खुलासे हो सकते है। बता दें कि आयकर विभाग की टीम ने रविवार सुबह सागर में छापामार कार्रवाई की थी। इस दौरान एक टीम ने भाजपा के पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर और उनके भाई कुलदीप राठौर के घर छापेमारी की। वहीं, दूसरी टीम ने पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी, उनके भाई बृजेश केशरवानी और सहयागी राकेश छावड़ा के घर छापा मारा था। तीन दिन की जांच के बाद आईटी की टीम को करोड़ों की संपत्ति और लेनदेन का पता चला है। पूर्व पार्षद राजेश केशरवानी के घर से 140 करोड़ से ज्यादा के नकद लेनदेन के दस्तावेज मिले थे। साथ 7 बेनामी लग्जरी कारें और करीब 4.7 किलो सोना और गहने मिले था। सोने और गहनों के दस्तावेज दिखाने के कारण आईटी टीम ने इसे जब्त नहीं किया था। भाजपा पूर्व विधायक हरवंश सिंह राठौर के बंगले से 14 किलो सोना और 3.8 करोड़ रुपये नकद मिले थे। कई प्रॉपर्टी के दस्तावेज के साथ करोड़ों के लेनदेन और टैक्स चोरी की बात भी सामने आई थी।

सेंट्रल जेल के बाद अब आरजीपीवी कैंपस में भी मिला ड्रोन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल की सेंट्रल जेल के बाद दूसरे दिन आरजीपीवी कैंपस से भी एक ड्रोन बरामद किया गया है। यह ड्रोन एक पेड़ पर अटका हुआ था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। इधर जेल में मिला ड्रोन एक डॉक्टर का निकाला है, जिसे उन्होंने बेटे के लिए दिल्ली से खरीदा था। इस ड्रोन का रिमोट और कागजात लेकर वह गुरुवार को जेल परिसर पहुंचे और अधिकारियों को जानकारी दी। डॉक्टर ने बताया कि बीती 31 दिसंबर को ड्रोन उड़ाते समय संपर्क टूट जाने से वह गायब हो गया था। जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सेंट्रल जेल स्थित हाई सिक्योरिटी वाले ब खंड के पास एक ड्रोन मिला था। यह ड्रोन पास ही निमार्णाधीन नई बैरिक के लिए खोदे गए गड्ढे के पास पड़ा था। ड्रोन मिलने के बाद जेल की सुरक्षा को लेकर हड़कंप मच गया था। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने जेल परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जहां ड्रोन बरामद हुआ है, उसके पास वॉच टॉवर पर रायफन सहित सुरक्षाकर्मी तैनात किया जाएगा। जेल परिसर में ड्रोन मिलने का समाचार प्रकाशित होने के बाद डॉक्टर स्वप्निल जैन जेल पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि वह महावीर मेडिकल कालेज में प्रोफेसर हैं और द्वारिका धाम में रहते हैं। उन्होंने अपने बेटे के लिए दिल्ली से यह ड्रोन खरीदा था। बीती 31 दिसंबर को आईटी पार्क से यह ड्रोन उड़ाया जा रहा था, लेकिन ऊंचाई ज्यादा होने के कारण संपर्क टूट गया और ड्रोन गायब हो गया था। उन्होंने ड्रोन का रिमोट भी अधिकारियों को दिया। अधिकारियों ने जब चैक किया तो वह रिमोट उसी ड्रोन का निकला। डॉक्टर ने ड्रोन खरीदने के कागजात भी प्रस्तुत किए हैं, लेकिन पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। इधर गुरुवार को गांधी नगर पुलिस जेल में मिले ड्रोन की जांच पड़ताल कर रही थी। टीम जब आरजीपीवी कैंपस पहुंची तो वहां भी एक पेड़ पर ड्रोन अटका हुआ मिला। यह ड्रोन जेल में मिले ड्रोन से बिल्कुल अलग है। हालांकि उसके अंदर कोई मेमोरी कार्ड अथवा संदिग्ध रिकार्डिंग नहीं मिली है। यह ड्रोन किसका है, इसको लेकर इलाके में एनाउंसमेंट करवाया गया है। प्रारंभिक पड़ताल में यह ड्रोन भी खिलौना जैसा लग रहा है, लेकिन इसकी भी तकनीकी और फोरेंसिक जांच करवाई जा रही है।

सीसीटीवी में जलती चिता के पास दिखा तांत्रिक, पुलिस के हवाले किया

सिटी चीफ भोपाल।
भोपालः भोपाल के पास खजूरीकलां गांव के श्मशान में अजीबोगरीब घटनाएं हो रही थी। जिससे गांव के लोगों में दहशत का माहौल था। डर के मारे वहां जाने से भी लोग कतराने लगे थे। श्मशान घाट पर कभी काले पुतले तो कभी नींबू और सिंदूर मिल रहा था। इन घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता को भी बढ़ा दिया था। पर टेक का इस्तेमाल करके उन्होंने इस समस्या का समाधान कर लिया है। पर इसके पीछे जो खुलासे हुए देखकर सभी हैरान हैं।

दरअसल, भोपाल से सटे खजूरीकलां गांव में श्मशान घाट पर लंबे से रहस्यमयी घटनाएं हो रही थी। लोगों का कहना था कि इस कारण वहां से तंत्र-मंत्र की चीजे मिलना शुरू हो गया था। जिससे गांववाले दहशत में थे। इस समस्या से निपटने के लिए उन्होंने सीसीटीवी कैमरे लगवाए।खजूरीकलां के श्मशान घाट का रखरखाव एक समिति करती है। यहां हर हफ्ते औसतन तीन लोगों का अंतिम संस्कार होता है। लेकिन पिछले डेढ़ साल से यहां तांत्रिकों का आना-जाना बढ़ गया है। अंतिम संस्कार के बाद जब परिजन अस्थियां लेने आते हैं, तो उन्हें वहां तंत्र-मंत्र के सामान मिलते हैं। जैसे काले कपड़े के छोटे-छोटे पुतले, नींबू और सिंदूर जैसी चीजें। गांववालों ने इस पर ध्यान देना शुरू किया। उन्होंने रात में श्मशान घाट पर सीसीटीवी की मदद से नजर रखनी शुरू कर दी। एक अमावस्या की रात, उन्हें कामयाबी मिली। उन्होंने एक जलती चिता के पास एक तांत्रिक को पकड़ लिया। वह श्मशान में तंत्र-मंत्र के मकसद से आया था। ग्रामीणों द्वारा उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। इससे उनका डर अब कुछ हद तक खत्म हो गया है। सीसीटीवी की मदद से अब वे घर बैठे भी श्मशान घाट में हो रही हलचल पर नजर रख सकते हैं।

बिजली उपभोक्ताओं को डिजि लॉकर के माध्यम से मिलेगा बिजली बिल

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एक नई पहल की है। अब भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम और चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को उनका बिजली बिल डिजिटल लॉकर के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह कदम ह्यडिजिटल इंडियाह्ण के तहत भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में लिया गया है, जो उपभोक्ताओं को डिजि प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुरक्षित और पेपरलेस दस्तावेज प्रदान करता है। डिजि लॉकर एक सार्वजनिक क्लाउड पर आधारित सुरक्षित दस्तावेज एक्सेस प्लेटफॉर्म है, जिसे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त है। इसके अलावा, सूचना

प्रौद्योगिकी नियम 2016 के तहत, डिजि लॉकर के माध्यम से जारी किए गए दस्तावेजों को मूल फिजिकल दस्तावेजों के बराबर माना जाता है।

डिजि लॉकर से बिजली बिल तक पहुंचने के फायदे

इस नई सुविधा से उपभोक्ताओं को कई फायदे मिलेंगे। अब वे डिजि लॉकर के माध्यम से अपने बिजली बिलों तक आसानी से पहुंच सकते हैं और इन्हें सुरक्षित तरीके से संग्रहित भी कर सकते हैं। डिजि लॉकर से बिजली बिल के खोने, चोरी होने या नुकसान होने का खतरा नहीं रहेगा। इसके अलावा, यदि उपभोक्ता को पिछले बिल या डुप्लिकेट बिल की आवश्यकता हो, तो वह इसे डिजि लॉकर से सीधे डाउनलोड कर सकते हैं।

आसान होगा बिलों को शेयर करना

कंपनी ने बताया कि डिजि लॉकर के माध्यम से बिलों को शेयर करना भी आसान होगा। उपभोक्ता अपने बिलों को अन्य संस्थाओं जैसे बैंक, वित्तीय संस्थान या सरकारी एजेंसियों के साथ भी आसानी से साझा कर सकते हैं। इस कदम से न केवल कागजी बिलों की आवश्यकता खत्म होगी, बल्कि यह एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका होगा, जो उपभोक्ताओं को पेपरलेस भुगतान प्रक्रिया को अपनाने में मदद करेगा।

कैसे डाउनलोड करें बिजली बिल?

बिजली उपभोक्ता डिजि लॉकर एप को एंड्रॉयड या आईफोन पर डाउनलोड कर सकते हैं और वहां से आसानी से अपने बिजली बिल का डिजिटल संस्करण प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल मध्य प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक आधुनिक और सुरक्षित तरीका प्रदान करती है, जिससे वे अपने बिजली बिलों को आसानी से, सुरक्षित रूप से और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से प्रबंधित कर सकेंगे।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह केवल रस्म बनकर न रह जाए

हमारे देश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह 2015 से मनाया जा रहा है। यह हर साल 11 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों की आधारभूत जानकारी मिलती है। लेकिन जरूरत यह है कि ये आयोजन केवल रस्म बनकर न रह जाएं। इन कार्यक्रमों से मिली जानकारी को लोग वाहन चलाते समय आदत में लेकर आए तो ज्यादा बेहतर होगा। आकस्मिक कारक के रूप में सड़क दुर्घटनाओं के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल सड़क दुर्घटनाओं में 78.7 प्रतिशत दुर्घटनाएं चालकों की गलती से होती हैं।

हमारे देश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह 2015 से मनाया जा रहा है। यह हर साल 11 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों की आधारभूत जानकारी मिलती है। लेकिन जरूरत यह है कि ये आयोजन केवल रस्म बनकर न रह जाएं। इन कार्यक्रमों से मिली जानकारी को लोग वाहन चलाते समय आदत में लेकर आए तो ज्यादा बेहतर होगा। आकस्मिक कारक के रूप में सड़क दुर्घटनाओं के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल सड़क दुर्घटनाओं में 78.7 प्रतिशत दुर्घटनाएं चालकों की गलती से होती हैं। इस गलती के पीछे शराब/मादक पदार्थों का इस्तेमाल, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, वाहनों में जरुरत से अधिक भीड़ होना, वैध गति से अधिक तेज गाड़ी चलाना और थकान आदि होना है। शहरीकरण और सड़क यातायात बढ़ने के कारण सड़कों पर सुरक्षा के मुद्दे और इनके समाधानों पर गंभीरता से विचार हो रहा है। दुनिया में भारत में सबसे अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं और इस कारण यह मुद्दा और भी गंभीर बन गया है। वर्ष 2011 में 4.97 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.42 लाख से अधिक लोगों की जानें गई। यह संख्या भारत में प्रति मिनट एक सड़क दुर्घटना और प्रत्येक चार मिनट में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौत का आंकड़ा दर्शाती है। वर्ष 2012 में इन आंकड़ों में कुछ कमी आई, जिसमें 4.90 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.38 लाख लोगों की जानें गईं। फिर भी यह संख्या विचलित करने वाली है। चालकों की गलती को लगभग 80 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाओं का जिम्मेदार पाया गया है, इसलिए उन्हें जागरूक बनाना और यह महसूस कराना आवश्यक है कि जब वे कानून/उपायों का उल्लंघन करते हैं तो वे सड़कों पर हत्यारे बन जाते हैं। सड़क सुरक्षा को राजनीतिक स्तर पर प्राथमिकता दी जा रही है। तदर्थ सड़क सुरक्षा गतिविधियों को सतत कार्यक्रमों में बदलने पर ध्यान दिया जा रहा है। राज्य क्षमता के अनुसार दीर्घकालीन और अंतरिम लक्ष्यों, नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करते समय वर्तमान सड़क सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के क्रमबद्ध मूल्यांकन की सिफारिश की गई है। इसके तहत उच्च स्तर पर सरकारी एजेंसियों, जैसे- परिवहन, पुलिस, स्वास्थ्य, न्याय और शिक्षा के वरिष्ठ प्रबंधन को, जो संभवत- अभी तक सक्रिय रूप से सम्मिलित नहीं हुआ है, को बहुस्तरीय रणनीति के अंतर्गत शामिल करना है। इसके अलावा सभी भागीदारों को सड़क सुरक्षा में अपना योगदान देना होगा।
सड़क सुरक्षा की नीति को सुदीर्घ आधार पर लागू करने के लिए कई सरकारी विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन विभागों की जवाबदेही और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। सड़क सुरक्षा पर सरकारी एजेंसियों में बेहतर तालमेल स्थापित करने, संबंधित राज्य में सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तथा सड़क दुर्घटनाओं में हताहतों की संख्या को न्यूनतम करने के लिए तकनीकी उपायों को लागू करने के लिए सभी राज्य सरकारों से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति गठित करने को कहा गया है। राज्यों से अपनी सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की कार्यनीति तैयार करने को भी कहा गया है। राज्यों से सड़क सुरक्षा की वार्षिक कार्यनीति के तहत पांच वर्ष के महत्वांकाक्षी और हासिल करने योग्य लक्ष्य तय करने को भी कहा गया है। इसके अंतर्गत मापन योग्य परिणाम, विकास के लिए पर्याप्त राशि का निर्धारण, प्रबंधन, निगरानी और मूल्यांकन योग्य कार्यनीति तैयार करनी होगी। सभी राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों से उनके क्षेत्र में एक एजेंसी की पहचान करने और सड़क सुरक्षा कोष का निर्धारण करने तथा इस राशि का 50 प्रतिशत परिवहन नियमों की अवहेलना के दंड स्वरूप एकत्र करने को कहा गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देश में सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए विभिन्न उपाय किये हैं। सरकार ने एक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति भी मंजूर की है, जिसके तहत विभिन्न उपायों में जागरूकता बढ़ाना, सड़क सुरक्षा सूचना पर आंकड़ें एकत्रित करना, सड़क सुरक्षा की बुनियादी संरचना के अंतर्गत कुशल परिवहन अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा सुरक्षा कानूनों को लागू करना शामिल हैं। सड़क सुरक्षा के मामलों में नीतिगत निर्णय लेने के लिए भारत सरकार ने शीर्ष संस्था के रूप में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद का गठन किया है।

दुनिया की गति और हमारी प्रगति

2025 में जोर-आजमाइश के दो बड़े मौके बनेंगे। इस साल दिल्ली और बिहार विधानसभाओं के चुनाव हैं। दिल्ली का चुनाव फरवरी में ही हो जाएगा और बिहार में साल के आखिर में। दिल्ली में बीजेपी के सामने खंडित इंडिया गठबंधन होगा। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक-दूसरे से टकराने को तैयार हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के कारण दिल्ली का प्रतीकात्मक महत्व है। यहां हार-जीत से बीजेपी को नफा-नुकसान नहीं होगा, पर यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी चौथी बार जीतकर आई, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरेगी। वहीं यह कांग्रेस के लिए हैसियत बढ़ाने का एक अवसर है।

देखते ही देखते इक्कीसवीं सदी का 24वां साल गुजर गया और 25वां आ गया। जिस सदी को लेकर बड़े-बड़े सपने थे, उसके एक चौथाई साल 2025 में पूरे हो जाएंगे। किधर जा रही है दुनिया और कहां खड़े हैं हम? देश की करीब 145 करोड़ की आबादी में पांच से दस करोड़ लोगों ने 31 दिसंबर 2024 की रात नए साल का जश्न मनाकर स्वागत किया। शायद इतने ही लोगों को नए साल के आगमन की जानकारी थी, पर वे जश्न में शामिल नहीं थे। इतने ही लोगों ने सुना कि नया साल आ गया और उन्होंने यकीन कर लिया। फिर भी 100 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे होंगे, जिन्हें किसी के आने और जाने की खबर नहीं थी। उनकी वह रात भी वैसे ही बीती जैसे हमेशा बीतती है- सर्द और अंधेरी। नया साल आपके लिए और मेरे लिए कैसा होगा, इसका पता लगाने के दो तरीके हैं। या तो किसी ज्योतिषी की शरण में जाएं या वैश्विक घटनाक्रम की गुत्थियों को समझने की कोशिश करें कि हम पर उनका क्या असर होने वाला है। 2020 में जनवरी माह में हमें पता नहीं था कि हम खतरे से घिरने वाले हैं। ज्यादा से ज्यादा कुछ लोगों को खबर थी कि चीन में कोई बीमारी फैली है। लेकिन दो-तीन महीनों के भीतर हमने उस बीमारी को भारत में, और फिर अपने आसपास प्रवेश करते देख लिया।

मौसम, हवा, जलवायु, युद्ध और बीमारियों का जब असर होता है, तब सबके सिर चढ़कर बोलता है। अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, गोरे-काले व सारे धार्मिक-सांस्कृतिक भेद एक साथ मिट जाते हैं। बहरहाल बदलते साल की बैलेंस-शीट पर कुछ बातें दर्ज होती जाती हैं, जिनसे पता लगता है कि गुजरे वक्त ने हमें क्या दिया व क्या छीना, और नया साल हमारे लिए क्या लेकर आ रहा है।

देश की खोज-खबर बताने वाले मीडिया की मानें, तो सबसे बड़ा मसला राजनीतिक है। राष्ट्रीय राजनीति में करीब दस साल तक कहानी एकतरफा रहने के बाद पिछले साल सीधे मुकाबलों की ओर मुड़ी। देश में बीजेपी और कांग्रेस के अलावा क्षेत्रीय दलों के रूप में एक तीसरी राजनीतिक ताकत और है। बीजेपी के विजय-रथ से कांग्रेस के अलावा इन्हें भी अपने अस्तित्व की फिक्र होने लगी। साल 2023 में इंडिया गठबंधन बन जाने के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी जगहों पर सीधे मुकाबले हुए।

लोकसभा चुनाव में झटका लगने के बाद भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों में वापसी करके इंडिया गठबंधन को राजनीतिक जवाब दे दिया है। अब 2025 में जोर-आजमाइश के दो बड़े मौके बनेंगे। इस साल दिल्ली और बिहार विधानसभाओं के चुनाव हैं। दिल्ली का चुनाव फरवरी में ही हो जाएगा और बिहार में साल के आखिर में। दिल्ली में बीजेपी के सामने खंडित इंडिया गठबंधन होगा। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक-दूसरे से टकराने को तैयार हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के कारण दिल्ली का प्रतीकात्मक महत्व है। यहां हार-जीत से बीजेपी को नफा-नुकसान नहीं होगा, पर यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी चौथी बार जीतकर आई, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ताकत बनकर उभरेगी। वहीं यह कांग्रेस के लिए हैसियत बढ़ाने का एक अवसर है।

इस साल 17 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी 75 साल के हो जाएंगे। चूंकि बीजेपी ने 75 साल से ऊपर के लोगों को मार्गदर्शक बनाना शुरू कर दिया है, इसलिए मोदी-विरोधी सवाल करेंगे। अरविंद केजरीवाल पूछ चुके हैं कि क्या मोदीजी मार्गदर्शक मंडल में जाएंगे? फिलहाल मोदी के बगैर बीजेपी की कल्पना संभव नहीं है। नए साल में बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी होगा। कई नाम उभर रहे हैं, पर माना जा रहा है कि जो भी होगा संघ का विश्वस्त होगा। अफवाहें हैं कि संघ और बीजेपी के बीच खिंचाव है, पर सच यह है कि हरियाणा और महाराष्ट्र की विजय के पीछे संघ का सक्रिय सहयोग रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत के कुछ बयान मुख्यधारा के हिंदुत्व से मेल नहीं खा रहे, पर यह इतना अविचारित नहीं है, जितना लोग समझ रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का यह शताब्दी वर्ष है। 1925 में विजया दशमी के दिन डॉ. केशव हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। उस साल विजया दशमी 27 सितंबर को थी। इस साल 26 दिसंबर को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के भी 100 वर्ष पूरे होंगे। संघ ने शताब्दी-वर्ष में अपनी शाखाओं की संख्या एक लाख करने का लक्ष्य रखा है, जिसका असर राजनीति में दिखेगा। संघ के 2025 के एजेंडा में सामाजिक समरसता भी शामिल है।

इंडिया गठबंधन के सामने नए साल में अपने आप को बचाए रखने और सहयोगियों को जोड़े रखने की चुनौती है। इसकी धुरी कांग्रेस को भी अपने आप को संगठनात्मक रूप से मजबूत करना होगा। पिछले साल हरियाणा और महाराष्ट्र में मिली विफलताओं के बाद गठबंधन के कुछ सहयोगियों ने कहना शुरू कर दिया है कि नेतृत्व हमें सौंपो। यह मांग करने वालों में तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी सबसे आगे हैं। इन बातों से बिहार चुनाव के दौरान सीट बंटवारे में कांग्रेस दबाव में रहेगी।

इस साल दो कानूनों पर राष्ट्रीय बहस शिद्दत से चलेगी। एक, वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक और दूसरा, एक देश, एक चुनाव कानून। दोनों संसदीय समितियों के पास हैं। पर सबसे बड़ा कार्यक्रम है जनगणना का। लंबे समय से विलंबित जनगणना इस साल शुरू होने की संभावना है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में महत्वपूर्ण डेटा अंतराल दूर करना चाहेंगे। एक दशक में एक बार होने वाली जनगणना 2021 में पूरी होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हो गई। जनगणना से आर्थिक आंकड़ों, मुद्रास्फीति और रोजगार अनुमानों सहित कई अन्य सांख्यिकीय सर्वेक्षणों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इनमें से ज्यादातर डेटा सेट 2011 में जारी जनगणना पर आधारित हैं।

जनगणना के प्रश्न ने राजनीतिक शक्ल भी धारण कर ली है। विरोधी दल जाति-जनगणना की बात कर रहे हैं, वहीं बीजेपी विपक्ष के इस एजेंडे को विभाजनकारी बताते हुए अपनी मुहिम जारी रख सकती है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने देशभर में जाति जनगणना की मांग उठाई और आरक्षण के लिए 50 फीसदी की कृत्रिम-सीमा को तोड़ने का आह्वान किया था। इस बीच, भाजपा ने अपने मूल वैचारिक मुद्दों में सामाजिक न्याय को भी जोड़ लिया है। पहले जातिगत मुद्दे क्षेत्रीय दलों जैसे बसपा, सपा, जेडीयू, राजद, लोजपा, रिपब्लिकन पार्टी आदि के अधिकार क्षेत्र में थे। इस मुद्दे पर कांग्रेस का फोकस बढ़ने के कारण पिछले एक साल में इसमें निर्णायक बदलाव आया है। जाति, आरक्षण और बीआर अंबेडकर की विरासत जैसे मुद्दों का वैचारिक दायरा इस साल और बढ़ेगा।

दुनिया के सामने सबसे ज्यादा दबाव वाले मुद्दे तेजी से विकसित हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के पर्यावरणीय प्रभाव तेजी से बढ़ रहे हैं और लाखों लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका को खतरा पैदा कर रहे हैं। तकनीकी विकास के बावजूद, उनके लिए कोई सुरक्षा कवच नहीं है। संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रखा है। उसकी समय-सीमा से पांच साल पहले, दुनिया लक्ष्य से काफी दूर है। एक नजर 2025 के लिए निर्धारित सबसे प्रतीक्षित शिखर सम्मेलनों पर डालें कि क्या इस साल हम बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में बढ़ पाएंगे। जनवरी में दावोस के विश्व आर्थिक मंच की बैठक में बिजनेस, सरकारों और नागरिक समाज के वैश्विक नेता मिल-बैठकर इन सवालों पर विचार करेंगे। दूसरी तरफ दुनिया के सात अमीर देशों के ग्रुप ऑफ सेवन (जी-7) का शिखर सम्मेलन कनाडा के रॉकीज में होगा। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागर अत्यधिक मात्रा में गर्मी सोख रहे हैं, जो जैव विविधता के लिए एक गंभीर खतरा है। इस सिलसिले में भूमध्यसागर के तट पर फ्रांस और कोस्टा रिका की सह-मेजबानी में 2025 का संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (यूएनओसी3) होगा।

सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की 80वीं बैठक होगी। दुनिया के इस सबसे बड़े वार्षिक सम्मेलन में विस्थापन, संघर्ष, गरीबी, भुखमरी और सतत विकास के 2030 एजेंडा पर बातें भी होंगी, जो बुरी तरह से पटरी से उतर गए हैं। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की तीसवीं बैठक, जिसे कॉप-30 के नाम से जाना जाएगा, ब्राजील में होगी। कॉप-29 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यहां काफी उम्मीदें होंगी। ऊर्जा भंडारण और कार्बन बाजारों पर किए गए समझौतों के बावजूद, विकासशील देशों को धनी देशों की ओर से धन देने का आश्वासन पूरा हुआ नहीं है। जी-20 का शिखर सम्मेलन इस साल पहली बार अफ्रीकी देश में होगा। पिछले साल अफ्रीकी संघ के इसमें शामिल होने के बाद यह शिखर सम्मेलन जोहानेसबर्ग में होगा। साल 2024 में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला ब्राजील इस साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। शिखर सम्मेलन में अपने चार नए सदस्यों और तेरह भागीदार देशों का दूसरी बार स्वागत किया जाएगा और संभवत- इस समूह का और विस्तार करने पर विचार किया जाएगा।

आग के आगे लाचार सा दिख रहा अमेरिका... लॉस ऐंजिलिस में धधक रहा जंगल

अमेरिका का लॉस ऐंजिलिस झुलस रहा है। जंगल में धधक रही आग बेकाबू सी दिख रही है। 6 अलग-अलग जगहों पर आग धधक रही है- पैलिसेड्स, ईटन, हर्स्ट, लिडिया, केनेथ और हॉलिवुड हिल्स। लीडिया का तो 60 प्रतिशत जंगल जलकर राख हो चुका है। कुल मिलाकर 36 हजार एकड़ से ज्यादा का जंगल स्वाहा हो चुका है। 10 लोगों की मौत हो चुकी है। हॉलिवुड हिल तक आग पहुंच चुकी है। तमाम आलीशान मकान, स्टूडियो भी खाक हो चुके हैं। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि प्रत्यक्षदर्शी इसकी तुलना परमाणु बम विस्फोट से कर रहे हैं। दुनिया का सुपर पावर बेबस नजर आ रहा है। प्रकृति के रौद्र रूप के सामने आखिर किसका वश चलता है? अमेरिका हो या भारत, सब बेबस हैं। अभी सालभर भी नहीं हुए कि उत्तराखंड में कई दिनों तक धू-धूकर जलते रहे।

लॉस ऐंजिलिस के जंगलों में आग की शुरुआत 7 जनवरी को हुई। अब तक यह आग कुल मिलाकर 36000 एकड़ जंगल को अपनी चपेट में ले चुकी है। 10 हजार से ज्यादा इमारते स्वाहा हो चुकी हैं। वहां के अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। आग को बुझाने की सारी कोशिशें नाकाफी साबित हो रही हैं। तेज हवा और शुष्क मौसम आग को और धधका रही हैं। हर तरफ तबाही का मंजर है। वन्यजीव और वनसंपदा का नुकसान। घर-मकान, स्टूडियो तबाह। 1 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। 1.8 लाख अन्य लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजने के लिए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। 1 लाख अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए चेतावनी दी जा चुकी है। एजेंसियों ने 1.9 करोड़ लोगों को आग के खतरे को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। यह इस महीने के अलावा पूरे फरवरी तक लागू रहेगा। लॉस ऐंजिलिस आग को एक्सपर्ट क्लाइमेट चेंज का दुष्परिणाम बता रहे हैं। तेल, कोयला और गैस के जलने से निकलने वाली वो गैसें जिनसे धरती गरम होती हैं, ने जंगल की आग को और खतरनाक बना दिया है। क्लाइमेट चेंज की वजह से कैलिफोर्निया में पतझड़/ठंड में बारिश के मौसम की शुरुआत को लेट कर दिया है। लॉस ऐंजिलिस तो जुलाई 2024 के बाद से ही बारिश की कमी का सामना कर रहा है। इलाका 150 वर्षों में दूसरे सबसे बड़े सूखे का सामना कर रहा है। इसी तरह दक्षिणी कैलिफोर्निया में 1 अक्टूबर से अब तक औसत बारिश में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। कई जगहों पर 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं बह रही हैं। इन स्थितियों ने आग को और विकराल कर दिया है। साल के इस समय लॉस ऐंजिलिस में तेज हवाएं सामान्य होती हैं लेकिन शुष्क मौसम और क्लाइमेट चेंज की वजह से जंगल की आग और ज्यादा खतरनाक हो रही है।

अभी जिस तरह की तबाही से अमेरिका दो-चार हो रहा है, कुछ वैसी ही तबाही पिछले साल भारत में भी मची थी। अप्रैल 2024 में उत्तराखंड के जंगलों में आग लगी थी। अल्मोड़ा के जंगलों में तो 41 दिनों तक आग धधकती रही थी। 10 लोगों की मौत हुई थी। सैकड़ों एकड़ जंगल स्वाहा हो गए थे। 6 मई 2024 की पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1 नवंबर 2023 से 5 मई 2024 तक उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की कुल 575 घटनाएं दर्ज हुई थीं जिससे करीब 690 हेक्टेयर यानी 1705 एकड़ क्षेत्र प्रभावित हुआ था। आग लगने की वजहों में क्लाइमेट चेंज तो था ही, मानवीय लापरवाही ने भी बड़ी भूमिका निभाई थी। उत्तराखंड के जंगलों में 2016 में भी भीषण आग लगी थी। तब अप्रैल और मई के बीच में करीब 1600 आग की घटनाएं दर्ज हुई थीं। 4538 हेक्टेयर यानी 11213 एकड़ जंगल स्वाहा हो गया था। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के मुताबिक भारत के वन क्षेत्र का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा आग के लिहाज से बेहद संवेदनशील है।

कैलिफोर्निया की आग को लेकर अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आग में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। अग्निशमन विभाग के जन संपर्क अधिकारी कार्लोस हेरेरा ने बताया कि ईटन में लगी आग से पांच लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट स्टीवर्ट ने बताया कि पैसिफिक पैलिसेड्स के पश्चिम में लगी आग में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं तीन अन्य लोगों ने आग की चपेट में आकर जान गंवाई है।

ईटन और पैलिसेड्स की आग के बीच 10,000 से अधिक इमारतें जल गईं। लॉस एंजलिस अग्निशमन प्रमुख क्रिस्टिन क्राउले ने कहा कि पैलिसेड्स में 5,300 से अधिक इमारतें नष्ट हो गई हैं। ईटन फायर ने 5,000 से ज्यादा इमारतों को नष्ट कर दिया है। अफसरों का कहना है कि सर्वे के बाद यह संख्याएं बदल सकती हैं।

वेस्ट हिल्स पड़ोस के पास नई आग के कारण अधिक लोगों को बाहर निकालना पड़ा। लॉस एंजलिस फायर डिपार्टमेंट ने सैन फर्नांडो वैली में लॉस एंजिलिस के वेस्ट हिल्स इलाके के पास केनेथ फायर नामक आग के लिए आदेश जारी किए हैं। आग लगने के कारण इलाके को लोगों को तुरंत खाली करना पड़ा।

लॉस एंजलिस काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने कहा कि अधिकारियों ने गुरुवार रात से दोनों बड़ी आग के आसपास कर्फ्यू लागू करने की योजना बनाई, जो शाम छह बजे से अगले दिन सुबह छह बजे तक लागू रहेगा, लेकिन इसे लागू होने में समय लग सकता है। कर्फ्यू केवल उन क्षेत्रों पर लागू होगा जो आग से ज्यादा प्रभावित हैं।

लॉस एंजिल्स यूनिफाइड के सभी स्कूल शुक्रवार को बंद रखे गए। जिला अधीक्षक अल्बर्टो कार्वाल्हो ने कहा कि जब तक हालात नहीं सुधरते तब तक कक्षाएं शुरू नहीं होंगी। यहां दो प्राथमिक विद्यालय नष्ट हो गए हैं और एक हाईस्कूल को काफी नुकसान पहुंचा है। हम उन कर्मचारियों की सहायता कर रहे हैं, जिन्होंने अपने घर खो दिए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आग जारी रह सकती है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि शुक्रवार के बाद भी खतरा खत्म नहीं होगा। हवाएं अगले सप्ताह की शुरुआत तक जारी रहेंगी। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपने गृह राज्य कैलिफोर्निया में लगी आग के कारण अपने कार्यकाल की अंतिम विदेश यात्रा रद्द कर दी है। हैरिस ने 13 से 17 जनवरी तक सिंगापुर, बहरीन और जर्मनी की यात्रा की योजना बनाई थी।

अधिकारियों का कहना है कि अग्निशमन दल ने पैलिसेड्स की आग पर कुछ हद तक काबू पा लिया है। गवर्नर गेविन न्यूसम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि तेज हवाओं से भड़की आग पर काबू पाने के लिए चौबीस घंटे काम कर रहे हमारे बहादुर अग्निशमन कर्मियों को धन्यवाद।

गवर्नर ने कहा कि तेजी से फैल रही आग से निपटने के लिए 900 से अधिक अग्निशमन कर्मी तैनात किए जाएंगे। वेस्ट हिल्स और कैलाबास के पास तेजी से फैल रही केनेथ फायर से लड़ने के लिए अब 900 अतिरिक्त अग्निशमन कर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

मौसम और उसके प्रभाव के आंकड़े देने वाली निजी कंपनी एक्यूवेदर ने आग से नुकसान और आर्थिक क्षति का अनुमान बढ़ाकर 135-150 अरब डॉलर कर दिया। पहले कंपनी ने 57 बिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान लगाया था। लॉस एंजलिस में लगी आग को लेकर कनाडा के मंत्री ने कहा कि कनाडाई सैन्यकर्मी, उनके उपकरण और 250 अन्य अग्निशमन कर्मी अमेरिका की सहायता के लिए तैयार हैं। हरजीत सज्जन ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रीय अंतर-एजेंसी अग्नि केंद्र ने आग के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए अपने दो सीएल-415 स्कीमर एयरटैंकरों की मांग की है।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया के लोगों के लिए उनका संदेश है कि हम आपके साथ हैं। हम कहीं नहीं जा रहे हैं। लेकिन अब जबकि उनके कार्यकाल में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है, तो यह ऐसा वादा है जिसे वह पूरा नहीं कर पाएंगे। रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालेंगे।

हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और सिंगर पेरिस हिल्टन का घर भी कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग की वजह से खाक हो गया। मालिबू में अपने प्यारे घर को जलते देखने के बाद उनका दिल शीशे की तरह चकाचूर हो गया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना दुख जाहिर किया। लॉस एंजिल्स में अपने घर जलने के बाद पेरिस हिल्टन ने अपने एक्स अकाउंस पर एक दुखद पोस्ट शेयर किया। उन्होंने एलए जंगल की आग के बाद अपने मालिबू घर की अभी की स्थिति को दशार्ते हुए एक वीडियो भी शेयर किया। उन्होंने इसे सहन ना सके ऐसा दर्द बताया। अभिनेत्री और सिंगर पेरिस हिल्टन ने आगे घर में बिताए पलों को याद किया साथ ही उन लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाई, जिनका घर इस जंगल की आग में जलकर राख हो गया और वह इसे खोने के बाद दर्द से गुजर रहे हैं। पेरिस ने लिखा, ह्लमैं यहां खड़ी हूं, जो कभी हमारा घर हुआ करता था। इसे देखने के बाद मेरे दिल का दर्द वास्तव में अवर्णनीय है, जब मैंने पहली बार खबर देखी, तो मैं पूरी तरह से सदमे में थी। मैं इसे सहन नहीं कर सकी, लेकिन अब, यहां खड़ी हूं और इसे देख रही हूं तो मेरी अपनी आंखों से। अब इसे देखने के बाद ऐसा लग रहा है जैसे मेरा दिल लाखों टुकड़ों में बिखर गया हो। पेरिस ने आगे लिखा, यह घर सिर्फ मेरे रहने की जगह नहीं थी बल्कि यह वह जगह है, जहां हमने सपने देखे, हंसे, और एक परिवार के रूप में सबसे खूबसूरत यादें बनाईं। यह वजह जगह है, जहां फीनिक्स के छोटे हाथों ने कला बनाई थी। इस घर के हर एक कोने में प्यार और जीवन भरा हुआ था। इसे राख में तब्दील होते देखना... इस हादसे को शब्दों में बयान नहीं कर सकती। यह जानकर मेरा दिल और भी टूट गया है कि यह सिर्फ मेरी कहानी नहीं है - यह सिर्फ दीवारें और छतें नहीं हैं। यह यादें ही हैं जो बनीं मेरा घर, ये तस्वीरें, यादें, हमारे जीवन के महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कटनी के जंगल में तेंदुआ दिखने से मची सनसनी

बांधवगढ़ नेशनल पार्क की टीम ने किया सफल रेस्क्यू

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के विजयराघवगढ़ वन परिक्षेत्र कांटी पुरैनी जंगल में अचानक एक तेंदुआ दिखाई देने से इलाके में सनसनी फैल गई ग्रामीणों ने तुरंत की इसकी सूचना वन विभाग को दी सूचना मिलते ही मौके पर वन अमला पहुंच गया और तेंदुए के रेस्क्यू के लिए बांधवगढ़ नेशनल पार्क के रेस्क्यू टीम सूचना दी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मौके पर बांधवगढ़ नेशनल पार्क की रेस्क्यू टीम के साथ डॉक्टर भी पहुंच गए और कड़ी मस्कत के बाद करीबन एक साल के तेंदुआ का रेस्क्यू कर पकड़ा गया। तेंदुए के आंख के चोट के निशान है वाह कमजोर स्थिति है जिसका मौके पर ही इलाज किया जा रहा है। बांधवगढ़ नेशनल पार्क के डॉक्टर राजेश तोमर ने बताया कि तेंदुए की उम्र 7 से 8 माह के बीच की है तब तेंदुए का रेस्क्यू किया गया उसकी हालत नजुग थी जिसे साधारण जाल से पकड़ कर पिंजरे में रखा गया है और इस तेंदुए का मौके पर ही इलाज किया जा रहा है। डॉक्टर ने यह भी बताया कि रेस्क्यू किए गए तेंदुए को मुकुंदपुर ले जाया जाएगा जहां इस तेंदुए का सही तरह से इलाज किया जाएगा। वही वन विभाग अधिकारी विवेक जैन यह बताया कि कल शाम को उन्हें सूचना मिली थी कि रहवासी इलाके में पकड़े गए तेंदुए का मूमेंट है और ग्रामीण दहशत में है। जिस सूचना पर वह कल रात से ही तेंदुए पर नज़र बनाए हुए थे और दोपहर को बांधवगढ़ नेशनल पार्क की टीम मौके पर पहुंच तेंदुए का रेस्क्यू किया।

कटनी में आईसीटीएम समिति की हुई बैठक

डिजिटल सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण की रणनीतियों पर चर्चा

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, मध्य प्रदेश के लिए यह एक ऐतिहासिक पहल रही, जब राज्यसभा की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रबंधन आईसीटीएम पर संसदीय स्थायी समिति ने पहली बार कटनी शहर का दौरा किया और अपनी बैठकों को सफलतापूर्वक संपन्न किया समिति की अध्यक्षता निरंजन बिस्सी अध्यक्ष, आईसीटीएम एवं सांसद, राज्यसभा द्वारा की गई, जिसमें सार्वजनिक सेवाओं को सशक्त बनाने और नागरिकों के डेटा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तकनीकी प्रगति के उपयोग पर मुख्य रूप से जोर दिया गया। इसमें गुलाम अली सांसद, राज्यसभा तथा डॉ. कुशल पाठक सांयुक्त सचिव, राज्यसभा सहित अन्य सदस्य भी सम्मिलित हुए। पहली बैठक के दौरान केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रतिनिधियों ने डाक विभाग, म.प्र. स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, स्थानीय पुलिस, स्थानीय प्रशासन और कॉमन सर्विस सेंटर्स के अधिकारियों के साथ मिलकर नागरिकों के डेटा की सुरक्षा एवं साइबर धोखाधड़ी से निपटने के अहम मुद्दों पर चर्चा की। डिजिटल अपराधों के तेजी से बढ़ते खतरे पर जोर देते हुए प्रतिभागियों ने वित्तीय संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिससे क्षेत्र में एक मज़बूत डिजिटल सुरक्षा ढांचा तैयार हो सके।दूसरी बैठक में राज्य सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, स्थानीय प्राधिकरणों और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के अधिकारियों ने एक व्यापक डिजिटल रिपॉजिटरी बनाने की संभावना पर विचार-विमर्श किया, जो कटनी में पाए जाने वाले प्राचीन मूर्तियों और शिल्पों को संरक्षित और लोकप्रिय बना सके। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना और नवीन प्रौद्योगिकी समाधानों के माध्यम से जागरूकता व पर्यटन को बढ़ावा देना है। समिति ने यह विशेष रूप से रेखांकित किया कि नए नवाचारों को अपनाने और मजबूत डिजिटल सुरक्षा उपायों को लागू करने के बीच संतुलन बनाए रखना बेहद ज़रूरी है, ताकि आधुनिकीकरण की रफ्तार में सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न हो।इस प्रकार, समिति छोटे शहरी केंद्रों जैसे कटनी पर ध्यान केंद्रित करके प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करती है और समावेशी विकास एवं दीर्घकालिक स्थिरता के लिए एक मिसाल कायम करती है।

उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद भी अब तक न्यूनतम वेतन की बढ़ी दरों से भुगतान आदेश जारी न होने से प्रदेश भर में भारी रोष

सीटू ने प्रमुख सचिव (श्रम) व श्रमायुक्त को न्यायालय की अवमानना का नोटिस दिया

श्रीनिवास मिश्रा । सिटी चीफ भोपाल, माननीय म. प्र. उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ द्वारा गत 3 दिसम्बर 2024 को न्यूनतम वेतन की पुनरीक्षित दरों के भुगतान पर लगे स्थगन को समाप्त कर दिए जाने के एक माह बाद भी म. प्र. शासन की ओर से बढ़ी हुई दरों से वेतन भुगतान हेतु कोई निर्देश जारी नहीं हुए है । एक माह से ज्यादा समय होने के बाद भी निर्देश जारी न करने पर सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के प्रदेश महासचिव प्रमोद प्रधान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बाबूलाल नागर ने कल 6 जनवरी 2025 को प्रमुख सचिव (श्रम) व श्रमायुक्त म. प्र. को नोटिस दे कहा है कि अगर तुरंत आदेश जारी नहीं हुए तो माननीय उच्च न्यायालय की अवमानना की कार्रवाई सीटू की ओर से प्रारंभ की जाएगी । (दिये गये नोटिस की प्रति आपके सूचनार्थ संलग्न है) ज्ञातव्य हो कि सीटू इस कानूनी लड़ाई में पक्षकार के रूप में शामिल है।

सीटू प्रदेश अध्यक्ष रामविलास गोस्वामी व महासचिव प्रमोद प्रधान ने मध्य प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया है कि माननीय उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बाद भी बढ़ी हुयी दरों से भुगतान सम्बन्धी निर्देश जारी न करना प्रदेश के 25 लाख से ज्यादा श्रमिकों व कर्मचारियों के जीवन पर न सिर्फ कुठाराघात है बल्कि नियोजकों के हित साधने की बेशर्मीपूर्वक कारगुजारी है । सीटू नेताओं ने स्पष्ट किया कि सीटू ने श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए प्रमुख सचिव (श्रम) व श्रमायुक्त म. प्र. को यह कानूनी नोटिस देने के साथ समूचे प्रदेश में मैदानी संघर्ष भी तेज करने का निर्णय लिया है । सीटू नेताओं ने कहा कि प्रदेश स्तर पर अन्य श्रमिक व कर्मचारी संगठनों को एकजुट कर संघर्ष तेज करने हेतु भी सीटू ने पहल करने का निर्णय लिया है।

सीटू जिला समिति के.जे.एस. सीमेंट मैहर के नेतागण. अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह महामंत्री राजेश मिश्रा कार्यवाहक अध्यक्ष निलेश गुप्ता उपाध्यक्ष रणजीत सिंह कोषाध्यक्ष संदीप सिंह भारत द्विवेदी शैलेंद्र सिंह पुष्पराज सिंह एवं समस्त यूनियन के पदाधिकारी गण ने उपरोक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री प्रदेश के खजाने से सैकड़ों करोड़ खर्च कर इन्वेस्टर मीट आयोजित कर खरबों-खरब की जमीनें, प्राकृतिक संसाधन आदि कॉर्पोरेट्स के हवाले करने के साथ उन्हे करों में अकल्पनीय रियायतें भी दे रहे है, पर वही मुख्यमंत्री प्रदेश के लाखों मजदूरों व कर्मचारियों का वैधानिक न्यूनतम वेतन की वृद्धि तक को रुकवाए हुए है । नेताओं ने प्रदेश के मजदूरों व कर्मचारियों से अपील की है वे प्रदेश सरकार के इस मजदूर विरोधी रवैये के खिलाफ सीटू के मैदानी संघर्ष में भागीदारी करें।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि शीघ्र ही सीटू राज्य स्तर पर मैदाने व कानूनी लड़ाई की विस्तृत योजना घोषित करेगी।

महाकुंभ 2025: छोटा अखाड़ा आश्रम के महंत की अपील

गंगा स्नान और नि:शुल्क सुविधाओं का किया ऐलान

श्रीनिवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 10 जनवरी 2025 से महाकुंभ मेले का शुभारंभ होने जा रहा है। इस अवसर पर मैहर स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर छोटा अखाड़ा आश्रम के महंत पूज्य गंगा शरण जी महाराज ने महाकुंभ की महिमा का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर गंगा स्नान करने की अपील की।

महंत गंगा शरण जी ने बताया कि जो श्रद्धालु महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज आना चाहते हैं, उनके लिए छोटा अखाड़ा आश्रम के कैंप में नि:शुल्क ठहरने, भोजन प्रसाद और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। यह कैंप सेक्टर नंबर 5, दरागंज के पास, पीपा पुल नंबर 13, 14, और 15 के रास्ते से होकर स्थित है।

महाकुंभ की महिमा और शाही स्नान के महत्व की बात करे तो महाकुंभ हर 12 वर्षों में प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक में आयोजित होता है। मान्यता है कि महाकुंभ में गंगा स्नान करने से व्यक्ति के सभी दुख दूर होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाकुंभ में शाही स्नान का विशेष महत्व है, जो केवल कुछ निर्धारित तिथियों पर किया जाता है।

वही शाही स्नान की तिथियां कुछ इस प्रकार है

14 जनवरी 2025 (मकर संक्रांति)- महाकुंभ का प्रथम शाही स्नान।

29 जनवरी 2025 (मौनी अमावस्या)- दूसरा शाही स्नान।

2 फरवरी 2025 (बसंत पंचमी)= अंतिम शाही स्नान।

अन्य प्रमुख स्नान तिथियां-

10 जनवरी 2025- पौष शुक्ल एकादशी (प्रथम स्नान)।

26 फरवरी 2025- महाशिवरात्रि (अंतिम स्नान)।

महंत गंगा शरण जी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस अवसर पर गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित करें और महाकुंभ की आध्यात्मिकता का लाभ उठाएं।

कार्यक्रम आयोजक एवं जुगाडू एडवरटाइजिंग के फाउंडर अमन मिश्रा ने भोपाल में उपमुख्यमंत्री से की मुलाक़ात

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, भोपाल प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश क्रिएटर्स अवार्ड 2025 के संदर्भ में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्रीं राजेंद्र शुक्ला से कार्यक्रम के आयोजक एवं जुगाडू एडवरटाइजिंग के फाउंडर अमन मिश्रा उर्फ़ जुगाडू अमन एवं उनकी टीम ने उनके बी 9 चार इमली स्थित कार्यालय में मुलाक़ात कर कार्यक्रम की जानकारी एवं आमंत्रण दिया । उपमुख्यमंत्री द्वारा इस कार्यक्रम के आयोजक अमन मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनाएँ दिया ,साथ ही प्रदेश के सबसे बड़े क्रिएटर्स कार्निवल का आमंत्रण स्वीकार किया । श्री मिश्रा ने उपमुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया 2024 में उनके संयोजन में विंध्य क्रिएटर्स अवार्ड का आयोजन किया गया था । जिसमें कई ज़िलों के 400 से ज्यादा क्रिएटर्स ने भाग लिया था, इस वर्ष इसे बड़ा स्वरूप देते हुए मध्यप्रदेश क्रिएटर्स अवार्ड का आयोजन 03 फरवरी 2025 को सतना में किया जा रहा है। जो प्रदेश का सबसे बड़ा क्रिएटर्स कार्निवल होगा जिसमें मध्यप्रदेश उत्तरप्रदेश छत्तीसगढ़ के 1000 से ज़्यादा क्रिएटर्स एक छत के नीचे होगे, एक बड़े संदेश के साथ इस कार्यक्रम को बड़ा स्वरूप दिया जा रहा है। पूरे कार्यक्रम में उन तमाम चर्चित चेहरे को आमंत्रित किया गया है जिनके माध्यम से लाखों लोगो तक आसानी से कम समय में संदेश दिया जा सकता है, लोकप्रियता के अपने अलग अलग पैमाने है जिसमे वर्तमान समय में सोशल मीडिया एक विशेष माध्यम बना हुआ है जहाँ पर आप अपने हुनर का प्रदर्शन आसानी से कर सकते है, इस कार्यक्रम में सभी क्रिएटर्स को मंच देके डिजिटल इंडिया को और मज़बूती प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है, यह एक ऐसा कार्यक्रम है जहाँ सामाजिक, राजनैतिक व्यावसायिक, एवं कला क्षेत्र के सभी लोगो का संगम एक छत के नीचे किया जा रहा है जिससे प्रदेश के विकास को बढ़ाने में इस कार्यक्रम का योगदान हो। श्री मिश्रा ने बताया विंध्य क्रिएटर्स अवार्ड का आयोजन होने के बाद सैकड़ो क्रिएटर्स को रोज़गार मिलना शुरू हुआ है उसी प्रकार मध्यप्रदेश क्रिएटर्स अवार्ड के बाद इस इस कड़ी को और बड़ा करते हुए आगे बढ़ाया जा सके ऐसा प्रयास किया जा रहा है। साथ विपिन सिंह ,अमृता सिंह ,सुमित गुप्ता ,दिव्यांश शर्मा रहे।

सहारनपुर जिले में 33330 मतदाता बढ़े

जिले में युवा मतदाताओं की संख्या 35260 है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, सहारनपुर जिले में 53169 नए मतदाता बनाए गए हैं और 19839 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। इस तरह से कुल 33330 मतदाता बढ़े हैं। जिले में अब कुल मतदाताओं की संख्या 2616651 हो गई है। जिनमें 1383115 पुरूष और 1233437 महिलाएं हैं। 99 थर्ड जेंडर हैं।विधानसभावार मतदाताओं की संख्या अब इस प्रकार है। सहारनपुर नगर में मतदाताओं की कुल संख्या 454620 है। उत्तर प्रदेश की पहले नंबर की विधान सभा सीट बेहट में मतदाताओं की संख्या 376433 है। सहारनपुर देहात के मतदाताओं की संख्या 373500 है। रामपुर मनिहारान आरक्षित सीट के मतदाताओं की संख्या 318969 है और देवबंद विधानसभा सीट के मतदाताओं की संख्या 346747 है। ये सभी पांचों विधान सभा क्षेत्र सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र में आते हैं।

जिले की दो अन्य विधान सभा गंगोह में मतदाताओं की संख्या अब 386425 हो गई है और नकुड़ में 359957 मतदाता हो गए हैं। ये दोनों सीटें कैराना संसदीय क्षेत्र में आती हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक पूरे सहारनपुर जनपद में 18 से 19 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 35260 है। इनमें 19805 पुरूष और 15451 महिला मतदाता है। 4 थर्ड जेंडर हैं।

बालगृह बालिका में निवासरत फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी बालिकाओं को जिलाधिकारी ने दिया प्रमाण पत्र

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, स्वैच्छिग संगठन राजसी डेवलेपमेंट एण्ड रिसर्च संस्थान द्वारा संचालित बाल गृह (बालिका) में निवासरत बालिकाओं को लाल सखी संस्था द्वारा प्रोजेक्ट स्किल कनेक्ट मेरा हुनर, मेरी पहचान के अंतर्गत सिलाई, कढाई व बुनाई का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिससे बालिकाओं कों आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। बालगृह (बालिका) में निवासरत बालिकाओं को फैशन डिजाइनिंग के प्रशिक्षण हेतु पहले बैच में कुल 22 बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण किये जाने पर बालिकाओं को जिलाधिकारी मनीष बसंल द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया तथा बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए बालिकाओं को प्रशिक्षण में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। डीएम मनीष बंसल ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु 05 सिलाई मशीन प्रदान करने का आश्वासन दिया गया तथा बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी। संस्था लाल सखी की संस्थापक एवं डायरेक्टर प्रीती जांगड़ा द्वारा भी बालिकाओं के जीवन में बदलाव लाने के उद्देश्य से बालिकाओं को मन लगाकर ट्रेनिंग में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे बालिकाएं स्वयं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर उद्यमी बन सके। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय बालगृह (बालिका) की प्रभारी अधीक्षिका के साथ-साथ समस्त स्टाफ व संस्था की बालिकाएं उपस्थित रही।

एमओयू साइन वाली 466 में से 67 औद्योगिक इकाइयों ने काम शुरू किया, बाकी प्रक्रियाधीन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, जनपद में 466 इकाइयों के लिए उद्यमियों ने समझौतों पर दस्तखत किए थे जिनमें से पिछले वर्ष 24 फरवरी को 131 इकाइयों का शिलान्यास हुआ था उनमें से 67 इकाइयों ने काम शुरू कर दिया है और बाकी इकाइयां प्रक्रियाधीन हैं। जिनके अगले वर्ष तक शुरू हो जाने की उम्मीद है। उद्योग विभाग के उपायुक्त वीरेंद्र कुमार कौशल ने बताया कि उद्यमियों को मशीन की लागत पर 30 फीसद एकमुश्त अनुदान दिया जा रहा है और नई इकाइयों को लगाने में भूमि की खरीद पर स्टाम्प ड्यूटी पर केवल 25 फीसद ही रजिस्ट्री शुल्क लगता है। उपायुक्त वीरेंद्र कुमार कौशल ने बताया कि इस जिले में उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया बहुत आसान एवं तेज है। जिससे दूसरे जिलों के उद्यमी भी सहारनपुर आकर निवेश कर रहे हैं। समस्याओं के निराकरण में डेढ़ साल पहले यूपी में 40वें पायदान पर था अब उसकी रैंकिंग में तेजी से सुधार हुआ अब वह 6ठें स्थान पर है। वीरेंद्र कुमार कौशल ने आगे बताया कि वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान सहारनपुर जिले के 466 उद्यमियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इन सभी इकाइयों में 11788 करोड़ का निवेश होना था। उन सबकी क्रियाशील होने पर 50 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। लेकिन अब जो 67 इकाइयां शुरू हुई हैं उनसे 3000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मुहैया होगा। अभी जो इकाइयां शुरू हुई हैं उनमें सबसे ज्यादा इकाइयां माइक्रो स्माल मीडियम एंटर प्राइजेज की है यानि एमएसएमई जिनमें 548 करोड़ का निवेश हुआ है और 1100 लोगों को रोजगार मिलेगा। 15 इकाइयां पशु पालन विभाग से संबंधित हैं।

देश के अन्नदाता किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा - भगत सिंह वर्मा

भाकियू वर्मा का जत्था खनोरी बॉर्डर के लिए हुआ रवाना

गौरव सिंघल। सिटी चीफ(उत्तर प्रदेश) सहारनपुर । देवबंद, ग्राम गंगदासपुर जट में भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा की बैठक करके किसानों का जत्था राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में खनोरी बॉर्डर पंजाब के लिए रवाना हो गया है। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि कृषि प्रधान देश भारतवर्ष में भाजपा की केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश का अन्नदाता किसान बर्बादी के कगार पर है। पिछले 11 महीने से खनोरी बॉर्डर शंभू बॉर्डर डबवाली बॉर्डर पर देश के लाखों किसान हजारों ट्रैक्टर-ट्रालियों के साथ हाईवे पर धरना दिए हुए हैं। खनोरी बॉर्डर पर देश के ईमानदार किसान नेता सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल पिछले 44 दिन से किसानों की समस्याओं को लेकर आमरण अनशन पर हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने

विरोध प्रकट करते हुए कहा कि दिल्ली में केंद्र की मोदी सरकार किसान विरोधी और किसानों के प्रति उदासीन है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा था कि हम जल्द ही एमएसपी को गारंटी कानून बनाएंगे और किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। किसानों की आय दोगुनी तो क्या आधी भी नहीं रह गई है। किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य तो दूर लागत मूल्य भी सरकार नहीं दिला पा रही है। जिसके कारण आज देश के अन्नदाता किसानों पर 23 लाख करोड रुपए का कर्ज हो गया है और किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जल्द ही किसान नेताओं से बात करके देश हित में किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य दिलाना चाहिए। एम एस पी को गारंटी कानून बनाना चाहिए। सरकार की गलत नीति के कारण कर्जबंद हुए किसानों के सभी कर्ज समाप्त होने चाहिए। डॉ एम एस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करना चाहिए। देश के अन्नदाता किसानों की एक निश्चित आय करने के लिए चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के बराबर आय करने के लिए राष्ट्रीय आय आयोग का गठन करना चाहिए। 58 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग किसानों और मजदूरों को ?10000 प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन दिलानी चाहिए। गन्ना देश और सभी राज्यों की आर्थिक रीढ़ है। गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ?700 कुंतल तत्काल घोषित करना चाहिए। चीनी मिलों से गन्ना किसानों को तत्काल गन्ना भुगतान व ब्याज दिलाना चाहिए। देश के अन्नदाता किसान दिल्ली में सत्ता में भागीदारी नहीं करना चाहते हैं। किसानों को तो अपनी समस्या हल होनी चाहिए। लोकतंत्र शासन में किसानों को अपनी बात दिल्ली जाकर कहने का हक होना चाहिए। इस प्रकार सड़कों पर अवरोध करके किसानों को दिल्ली जाने से रोकना अंग्रेजी हुकूमत की याद दिलाता है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी ने कहा कि किसानों के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और किसान अपने हकों के लिए बराबर लड़ते रहेंगे। बैठक का संचालन करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा के राष्ट्रीय सलाहकार रजत शर्मा ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता है। प्रधानमंत्री मोदी को और दिल्ली में बैठे हुए बड़े नेताओं को अन्नदाता किसानों से वार्ता करके उनकी समस्या को तत्काल हल करना चाहिए। खेती किसानी और गांव को बचाने के लिए लुटियंस जोन दिल्ली में बैठे हुए नेताओं को ठोस कदम उठाने चाहिए। किसान बचेगा तो देश बचेगा। बैठक में भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जिला मंत्री महबूब हसन, पदम सिंह, प्रदीप कुमार, जोगेंद्र सिंह, विपिन कुमार, दीपक चौधरी, जगपाल सिंह, रविंद्र सिंह, गौरव शर्मा, महेंद्र सिंह, अभिषेक चौधरी, सुमित वर्मा, अमित कुमार, आकाश चौधरी, हिमांशु, सुरेश कुमार आदि ने भाग लिया। बैठक के बाद किसानों का जत्था राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में खनोरी बॉर्डर पंजाब के लिए रवाना हो गया।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हेलमेट एवं कार सवार को सीटबेल्ट लगाना अनिवार्य

निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने पर अब होगी कड़ी कार्रवाई

राजीव खरे । सिटी चीफ (छत्तीसगढ़) रायपुर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों पर अब त्वरित अमल होने लगा है। कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दोपहिया वाहन चलाने के दौरान हेलमेट लगाने एवं कार सवार को सीटबेल्ट लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय प्रमुख निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचें और कर्मचारियों के भी समय पर निर्धारित समय पर पहुंचना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी विभागों के उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और उपस्थिति की जांच की। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि अब समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि कलेक्ट्रेट में पहुंचने वाले सभी आमजनों के साथ अधिकारी एवं कर्मचारी सहज व्यवहार रखें और कार्यालयों की साफ-सफाई भी

रखी जाए। कलेक्टर ने कहा कि महिला एवं पुरूष टायलेट की सफाई समय-समय पर की जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को शाम 5.15 बजे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की जाएगी। अनुपस्थित मिलने पर संबंधित पर कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही प्रत्येक कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम की पट्टिकाएं होना अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचकर आमजनों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप भी उपस्थित थे।

मुस्लिम फंड ट्रस्ट देवबंद की ओर से नागल ब्रांच में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन, शिविर में डॉक्टरों ने सैकड़ों मरीजों की फ्री जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) नागल । सहारनपुर, मुस्लिम फंड ट्रस्ट देवबंद के महाप्रबंधक मरहूम हसीब सिद्दीकी की पुण्यतिथि पर आज मुस्लिम फंड ट्रस्ट देवबंद की ओर से नागल ब्रांच में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टरो ने सैकड़ों मरीजों की फ्री जांच करके उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी।नागल स्थित मुस्लिम फंड की ब्रांच में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन मुस्लिम फंड देवबंद के प्रबंधक सुहेल सिद्दीकी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सुहेल सिद्दीकी ने कहा कि गरीब जरूरतमंद मरीजों की सेवा करना नेक काम है। इस महंगाई के दौर में गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने बताया कि मुस्लिम फंड और उसके अधीन संस्थाएं जनता की सेवा करने में हमेशा आगे रहती हैं। उन्होंने कहा कि महाप्रबंधक हसीब सिद्दीकी मरहूम की बरसी के अवसर पर यह निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी उसी सेवा का हिस्सा है। ब्रांच मैनेजर साजिद हसन ने बताया कि संस्था की ओर से समय-समय पर लोगों की भलाई

के लिए इस तरह के नेक काम किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि आज शिविर में डॉक्टर जावेद अली, डॉक्टर मोमिन, डॉक्टर शहादत और डॉक्टर शहरी परवीन ने मरीजों की शुगर, ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन आदि की फ्री जांच करके उन्हें मुफ्त दवाइयां दी, साथ ही नजला, खांसी, बुखार और मौसमी बीमारियों के मरीजों को भी फ्री दवाइयां और बचाव हेतु जरूरी मशवरे दिए गए। इस अवसर पर फैजी सिद्दीकी, मोहम्मद उस्मान, मोहम्मद इंतजार, इस्लाम प्रधान, मोहम्मद अयूब, हाफिज सलीम, मुबशिर, जमशेद, आमिर इस्लाम और शाहिद हसन आदि मौजूद रहे।

NSCB मेडिकल कॉलेज 1975 बैच का स्वर्ण जयंती

पुनर्मिलन भव्यता पूर्ण कार्यक्रम 11-12 जनवरी को होगा सम्पन्न..?

नरसिहपुर नेता जी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज जबलपुर के इस समारोह में 81 पूर्व छात्र भाग लेंगे, जिनमें से 15 विदेशों से आ रहे हैं। सभी पूर्व छात्र 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं, जिन्होंने 50 वर्षों की अपनी पेशेवर यात्रा में चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समारोह के मुख्य आयोजन कलचुरी रेजिडेंसी और एनएससीबी मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में किए जाएंगे। पुनर्मिलन का उद्देश्य 1975 बैच के पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाना है, जहां वे अपने अनुभव साझा कर सकें और अपने मेडिकल करियर के सुनहरे दिनों को याद कर सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन 11 जनवरी को औपचारिक सत्र से होगा, जिसमें मुख्य अतिथि और विशिष्ट वक्ता चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान की कहानियां साझा करेंगे। इसके बाद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और कॉलेज के पुराने दिनों की यादें ताजा करने वाले सत्र होंगे। समारोह के दौरान पूर्व छात्र बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का भ्रमण भी करेंगे (13-14 जनवरी)। यह यात्रा न केवल उन्हें प्रकृति के करीब लाने का एक प्रयास है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी उद्देश्य रखती है। इस यात्रा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा। आयोजन समिति ने इस कार्यक्रम को भव्य और यादगार बनाने के लिए कई गतिविधियां और सत्रों की योजना बनाई है। कार्यक्रम में शामिल मुख्य गतिविधियां हैं- पुराने दोस्तों से मिलकर अनुभव साझा करना छात्रों और नए चिकित्सकों के साथ बातचीत मेडिकल कॉलेज के वर्तमान और

भविष्य पर चर्चा सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें संगीत और नाटक की प्रस्तुति होगी। समारोह की तैयारी में मुख्य भूमिका निभा रहे आयोजक हैं- डॉ. विनोद गर्ग डॉ. प्रदीप कुमार कसार (पूर्व डीन) डॉ. कमल किशोर रीखारी डॉ. अजय सराफ डॉ. आलोक अग्रवाल डॉ. नरेंद्र खरे डॉ. मुरली अग्रवाल (पूर्व सीएमएचओ)। कार्यक्रम में परिवारों को भी शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे यह आयोजन और भी व्यक्तिगत और भावनात्मक बन जाएगा। एनएससीबी मेडिकल कॉलेज के 1975 बैच के यह पुनर्मिलन न केवल उनके दोस्ती और पेशेवर रिश्तों को मजबूत करेगा, बल्कि उनके योगदान और अनुभवों को नई पीढ़ी के साथ साझा करने का एक मंच भी बनेगा। आयोजकों ने उम्मीद जताई है कि यह समारोह 1975 बैच की ऐतिहासिक यात्रा को और ऊंचाई पर ले जाएगा। समारोह का समापन 12 जनवरी की शाम को रात्रिभोज और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगा। इस पुनर्मिलन के जरिए पूर्व छात्र अपने कॉलेज के दिनों की सुनहरी यादों को फिर से जीने का अवसर प्राप्त करेंगें।

हर साल 40 करोड़ रूपए का राजस्व देता है नीमच का उप पंजीयक कार्यालय, पर लोगों के बैठने तक की व्यवस्था नहीं

-बारिश,ठंड और गर्मी में परेशान होते हैं क्रेता-व्रिक्रेता, शौच के लिए पड़ता है भटकना

नीमच। पंजीयक कार्यालय नीमच शासन को हर साल करीब 40 करोड़ रु का राजस्व देता है, लेकिन विडंबना है कि जिले में सर्वाधिक राजस्व देने के बावजूद नीमच के उप पंजीयक कार्यालय में दस्तावेजों का पंजीयन और रजिस्ट्री कराने के लिए पहुंचने वाले लोगों के लिए बैठने तक की व्यवस्था नहीं है । हालात यह है कि बारिश,ठंड या गर्मी में क्रेता-विक्रेता के साथ ही गवाह भी परेशान होते हैं और शौच और पीने के पानी के लिए तक भटकना पड़ता है। दु:खद है कि जिले के सभी बड़े अधिकारी कलेक्टर कार्यालय में ही बैठते हैं तो अगर कलेक्टर में इतनी अव्यवस्थाओं का आलम है तो पुरे जिले के क्या हाल होंगे। यह मुद्दा उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव व जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने कहा कि पंजीयन विभाग जिले का सबसे महत्वपूर्ण विभाग है जो दस्तावेजों का पंजीयन करने के साथ ही संपत्तियों की रजिस्ट्री भी करता है, जिससे मिलने वाला स्टाम्प शुल्क से शासन को हर साल करोड़ों रूपए का राजस्व मिलता है,लेकिन समस्या यह है कि सबसे अधिक राजस्व देने वाले विभाग की सुविधाएं भी सबसे खराब है । कांग्रेस नेता श्री बाहेती ने बताया कि नीमच कलेक्टोरेट कार्यालय में संचालित उप पंजीयन कार्यालय में जहाँ प्रतिदिन दस्तावेजों का पंजीयन व रजिस्ट्री कराने कराने के लिए बड़ी संख्या में क्रेता-विक्रेता,गवाह, सर्विस प्रोवाइडर व क्रेता-विक्रेता के परिजन आदि पहुंचते हैं,पर ठंड हो या बारिश उन्हें कलेक्टोरेट के पीछे एक गालियारे जैसी जगह में उप पंजीयन कार्यालय की खिड़की के बाहर घंटो खड़ा रहना पड़ता है। स्थिति यह है कि जहां रजिस्ट्री कराने के लिए लोगों को खड़ा किया जाता है,वहां बैठने की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और पेयजल एवं महिलाओं के सुविधाघर तक का अभाव है । अगर किसी को सुविधाघर की जरूरत महसूस होती है तो कलेक्टोरेट में प्रवेश करना पड़ता है, जिसमें सबसे अधिक महिलाएं परेशान होती है तथा बच्चों के साथ आने वाली महिलाओं को तो जमीन पर बैठना पड़ता है जबकि नियमानुसार यहाँ मातृत्व कक्ष का भी निर्माण होना चाहिए जहाँ छोटे व जन्मे बच्चों के साथ आने वाली महिलाएं बच्चों को दूध भी पिला सके।

3 साल में 105 करोड़ रूपए कमाए नीमच उप पंजीयक कार्यालय ने- कांग्रेस नेता श्री बाहेती ने बताया कि पिछले 3 वित्तीय वर्षों का आकड़ा देखा जाए तो सिर्फ नीमच के उप पंजीयन कार्यालय ने लगभग 105 करोड़ रूपए का राजस्व दस्तावेजों के पंजीयन और रजिस्ट्रियां कर प्राप्त किया है। नीमच पंजीयन कार्यालय के रिकार्ड अनुसार पिछले वित्तीय वर्षों में प्रतिवर्ष 18500 से अधिक दस्तावेजों की रजिस्ट्रियां हुई है,सम्पति रजिस्ट्री करवाने वाले क्रेता-विक्रेता,गवाह के सहित 10 लोग एक रजिस्ट्री कराने उप पंजीयन में पहुँचते है । अगर यह आकड़ा प्रतिदिन के हिसाब से जोड़ा जाए तो लगभग 500 लोग नीमच पंजीयन कार्यालय में प्रतिदिन आते हैं । इतने अधिक लोगों के आने के बावजूद उनके बैठने की व्यवस्था भी नहीं हो पाना प्रशासन की लापरवाही एवं गलत कार्यशीलता को दर्शाती है ।

-खुद का भवन नहीं,कलेक्टोरेट में एक हाल में चल रहा दफ्तर- श्री बाहेती ने कहा कि नीमच जिले के बने 25 वर्ष हो गए है लेकिन हालात यह है कि सरकार को हर साल करोड़ों रूपए का राजस्व देने वाले नीमच उप पंजीयन विभाग के पास खुद का भवन तक नहीं है । संयुक्त कलेक्टोरेट में विभाग को दो हॉल तो आवंटित है,लेकिन उपयोग एक का ही हो रहा है,उसमें भी उप पंजीयक बैठ रहे हैं,जबकि दूसरे हॉल में निर्वाचन आयोग ने कब्जा कर निर्वाचन कि सामग्री रख रखी है, जबकि निर्वाचन आयोग के पास खुद का अपना भवन है । श्री बाहेती ने कहा कि तहसील कार्यालय अलग बनने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर का ऊपर का परिसर खाली हो चुका है । कलेक्टर कार्यालय में नीचे स्थित विभागों को ऊपर की मंजिल पर स्थापित कर यहाँ पंजीयन कार्यालय कि बड़ी जगह देकर आम जनता को सुविधा देनी चाहिए ।

आरक्षित है भूमि,पर लेप्स हो चुकी है भवन निर्माण राशि जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती ने बताया कि जिला पंजीयक का भवन पूर्व में एसपी कार्यालय में बनाया गया था,लेकिन पुलिस की गोपनीयता के मद्देनजर पुलिस विभाग ने प्रशासन के हस्तक्षेप से जिला पंजीयन विभाग का भवन हैंडओवर कर लिया था,तब तत्कालीन कलेक्टर जितेंद्र राजे ने 28 नवंबर 2020 को एक आदेश पारित कर जिला पंजीयन विभाग को कलेक्टोरेट परिसर में लोकसेवा केंद्र के पास भवन निर्माण के लिए 4000 वर्ग फीट भूमि देने का आदेश जारी किया था । जहां जिला पंजीयक कार्यालय का भी निर्माण होना था, इस भवन निर्माण के लिए चौवन लाख रु राशि स्वीकृत भी हुई थी, लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि को ढीली नीति के कारण वह राशि भी लेप्स हो चुकी है । अब जिला पंजीयक कार्यालय को कलेक्टर कार्यालय में पहली मंजिल पर एक कमरा आवंटित किया जा रहा है, जिससे अब नवीन भवन बनाने की सम्भावना भी समाप्त हो गई है । श्री बाहेती ने कहा कि नीमच के विधायक दिलीप सिंह परिहार के भी संज्ञान में यह मामला है,लेकिन जनता कि परेशानी से उन्हें मतलब नहीं,अगर वें मूलभूत सुविधा भी नहीं दे पा रहें तो आखिर किस मुँह से विकास का ढिंढोरा पीटा जाता है। आज जिले का सबसे अधिक कमाई देने वाला और महत्वपूर्ण विभाग ही बदहाल है

कालेज चलो अभियान के तहत जानकारी प्रदान की

उज्जैन

शासकीय विक्रम महाविद्यालय खाचरोद द्वारा आज शासकीय उ.मा. विद्यालय रूनखेड़ा में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी कॉलेज चलो अभियान के तहत प्रदान की गई। महाविद्यालय के प्रो. आर.एल. मेघवाल द्वारा विद्यार्थियों को नवीन शिक्षा नीति 2020 के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया एवं महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं शासन की योजनाओं एवं छात्रवृत्ति के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही क्रीड़ा अधिकारी अतुल सूर्यवंशी द्वारा महाविद्यालय में संचालित होने वाली विभिन्न खेल गतिविधियों एवं अन्य सुविधाओं से अवगत कराया गया। उक्त कार्यक्रम में रूनखेड़ा उ.मा. विद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षक गण, महाविद्यालय के लक्ष्मण बामता एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जी ने वीडियो कांफेंसिंग के माध्यम से संवाद किया

विदिशा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जिन बिन्दुओं पर समीक्षा की उनमें जन कल्याण अभियान की प्रगति, धान उपार्जन कार्यो की समीक्षा, युवा दिवस की तैयारियां तथा मकर सक्रांति पर्व मनाए जाने की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। विदिशा जिले में हुए नवाचारो के संबंध में सिरोंज विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री जी से जानकारियां सांझा की। विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में इस अवसर पर विधायक द्वय श्री उमाकांत शर्मा, श्री मुकेश टण्डन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहें।

जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के शिंदे जी ने मनावर सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया

धार

सामाजिक संस्था जन चेतना विकास समिति मनावर द्वारा मनावर के सिविल अस्पताल की व्याप्त अव्यवस्थाओं एवं समस्याओं को लेकर 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने विगत दिवस जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के शिंदे जी से भेंट कर ज्ञापन दिया गया था, इन्ही समस्याओं को संज्ञान में लेकर जिला चिकित्सा अधिकारी महोदय ने सिविल अस्पताल मनावर का निरीक्षण किया

इस दौरान श्री शिंदे जी ने स्टॉफ की बैठक लेकर खराब मशीनरी जैसे एक्सरे मशीन, सोनोग्राफ़ी मशीन आदि को दुरुस्त करने के निर्देश दिए, जिससे आम मरीजों को इसका लाभ मिल सके, रेबीज इन्जेक्शन की अनुपलब्धता पर बाजार से खरीद कर लगाने के निर्देश भी दिए, निश्चेतना विशेषज्ञ पद पर डॉ किरण गिरवाल की नियुक्ति हुई है जिससे मरीजों को लाभ मिलेगा , निरीक्षण की जानकारी स्वयं जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के शिंदे जी द्वारा दी गई

पीएम कॉलेज में युवा संगम रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित

सीहोर

126 युवाओं को मिली नौकरी

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज में जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर), आई.टी.आई. सीहोर एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा युवा संगम रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेटिंसशिप मेला आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नावड़ी बाई ने इस मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वरोजगार के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए। इस मेले में जिलेभर से बड़ी संख्या में युवक युवतियाँ शामिल हुए। इस रोजगार मेले में कुल 435 आवेदकों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीयन कराया, जिसमें 14 कम्पनियों के द्वारा 126 आवेदकों को लेटर ऑफ इंटेंट पद्रान किए गए। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं के तहत अनेक हितग्राहियों को 59 लाख 64 हजार ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। रोजगार मेला में जिला उद्योग महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, जिला रोजगार अधिकारी श्री श्याम कुमार धुर्वे, एलडीएम श्री अरुण शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

युवाओं के चेहरे पर दिखाई दी रोजगार की खुशी

प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज में आयोजित युवा संगम रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा 126 पदों पर युवाओं का चयन किया गया। इस मेले में सीहोर निवासी श्री दीपक भारती को रोजगार मिला है। दीपक कहते हैं कि उनका सिलेक्शन व्हीपी इंटरप्राइजेज कंपनी में हुआ है। दीपक कहते हैं कि सरकार ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से हम जैसे युवाओं के लिए सुलभता से रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। यह रोजगार मेले हमारे लिए बहुत सहायक है। इसी प्रकार रोजगार मेले में सीहोर निवासी सुश्री अंजली सेन को भी रोजगार मिला है। अंजली कहतीं हैं कि मैं पिछले कई समय से अपने लिए रोजगार ढूंढ रही थी, मुझे आज रोजगार मेले में रोजगार मिला है। सभी युवाओं ने इस रोजगार मेले के आयोजन के लिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में की जनकल्याण अभियान की प्रगति की समीक्षा

खरगोन

युवा दिवस एवं मकर सक्रांति पर्व की तैयारियों के संबंध में दिये निर्देश

सांसद श्री पटेल, विधायक श्री पाटीदार एवं अन्य जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंस में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 11 दिसंबर से प्रदेश में प्रारंभ किये गए जनकल्याण अभियान की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान धान उपार्जन, युवा दिवस की तैयारी एवं मकर सक्रांति पर्व मनाए जाने की तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए गए। खरगोन के एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संगीता नार्वे, गंगा बाई मण्डलोई, नगर परिषद बिस्टान के अध्यक्ष श्री डेमसिंह नार्वे, अन्य जनप्रतिनिधि एवं सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनकल्याण अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों की चर्चा करते हुए कहा कि इन शिविरों के आयोजन का उद्देश्य सभी पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मिलकर घर-घर जाकर सर्वे करें कि कोई पात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेने से वंचित तो नहीं रह गया है। ऐसे पात्र व्यक्तियों के आवेदन प्राप्त कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। जनकल्याण अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों एवं उनसे लाभान्वित हितग्राहियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीनी मांझा पर सख्ती से रोक लगाई जाए। ताकि इसके कारण किसी को जान माल का नुकसान न हो। मकर सक्रांति पर्व पर आयोजित होने वाले स्नान एवं मेलों के दौरान नदियों के घाटों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये जाए। 12 जनवरी को स्वामी विवकानंद युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही शाजापुर जिले के काला पीपल में नारी सशक्तिकरण के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें लाड़ली बहनों के खातों में राशि का हस्तातंरण किया जाएगा। मकर सक्रांति पर्व का समारोहपूर्वक आयोजन किया जाए और इसमें महिलाओं को सुहाग से संबंधित बिंदी, चुड़ी आदि का वितरण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो इसका ध्यान रखा जाए। प्रदेश में इन दिनों पड़ रही शीतलहर के दौरान अलाव आदि का इंतजाम किया जाए और जरूरतमंद लोगों को कम्बल आदि का वितरण किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि खरगोन जिले के महेश्वर में कैबिनेट की बैठक आयोजित करने के लिए तैयारी की जा रही है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 24 जनवरी को महेश्वर में प्रदेश कैबिनेट की बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान विधायक श्री पाटीदार मकर सक्रांति पर खरगोन का गौरव दिवस मनाए जाने की जानकारी दी।

नाबार्ड परियोजना के द्वारा हितग्राहियों को विभिन्न योजना के तहत दिया जा रहा है लाभ

थांदला झाबुआ राष्ट्रिय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक(नाबार्ड) द्वारा वित्त पोषित थेथम जल ग्रहण परियोजना जिसको सद्गुरु फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है इस परियोजना के अन्तर्गत छ गांवो थेथम,हमीर फलिया, सागवानी,हरीनगर, झोसली एवं देवका के 1356 हेक्टेयर क्षेत्र में जलग्रहण विकास के कार्य मार्च 2019 से चलाए जा रहे है। इस परियोजना का क्रियान्वयन जिला विकास प्रबंधक- झाबुआ घनश्याम मीनाजी के मार्गदर्शन में जलग्रहण विकास समिति, थेथम के 13 सदस्यों द्वारा किया जा रहा है । समिति द्वारा राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओ के प्रति जागरूकता एवं लाभ ग्रामीण जनों को दिलाया जाता है। इसी अनुक्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देने के लिए एचडीएफसी एर्गो से जिला प्रबंधक श्री रूपल शुक्ला जी एवम जिला समन्वयक गौरव विश्वकर्मा जी उपस्थित हुए। योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस योजना में बुवाई के पहले से लेकर कटाई के बाद तक आने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सुखा, रोग, कीट, ओलावृष्टि, जलभराव, भूस्खलन, चक्रवात, चक्रवातीय बारिश, बदल फटना, आकाशीय बिजली इत्यादि से फसलों को होने वाले नुकसान की स्थिति में बीमा का लाभ दिया जाता है। इसमें ऋणी एवम अऋणी दोनों तरह के किसान बीमा करवा सकते है। ऋणी किसानों का बीमा बैंक द्वारा किया जाता है जबकि अऋणी किसान अपने नजदीकी सीएससी सेंटर, बैंक, कृषि विभाग, बीमा कंपनी के प्रतिनिधि, क्रॉप इंश्योरेंस एप इत्यादि के माध्यम से बीमा करा सकते हैं। बीमा करने के लिए जरूरी दस्तावेज अपडेटेड आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जमीन के कागज और बुवाई प्रमाणपत्र है। रबी सीजन में गेंहू और चना की फसलों को अधिसूचित किया गया है, जिनका प्राटिहेक्टर किसानों द्वारा देय प्रीमियम गेंहू के लिए 540 और चना के लिए 375 है। रबी सीजन में बीमा करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी है।यह बीमा प्रत्येक किसान अनिवार्य रूप से कराएंगे, यह निर्णय सभी किसानो ने लिया! इस परियोजना के अन्तर्गत जल, जमीन, जंगल, जानवर, एवं जन विकास हेतु विभिन्न कार्य किए जा रहे है। इस के अलावा किसानों हेतु कृषि के अलावा अन्य आयवर्धक कार्य किए जा रहे है। थेथम जलस्त्राव विकास कार्यक्रम के अंतर्गत नए फार्म पौंड ,गली प्लग,चेकडैम,कुवे का गहरीकरण, मेंशनरी गैबियन जैसे कार्य किए गए जिस से कुवे में जल का स्तर बढ़ा है और जमीन का कटाव नियंत्रण में आया है। जलग्रहण क्षेत्र में किसानों द्वारा बीज उत्पादन का कार्य भी कार्यक्रम के मदद से किया जा रहा है। जीवामृत ,बीजामृत एवं ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषक भ्रमण एवं ट्रैनिंग दी जा रही है। परियोजना में आय वर्धन के लिए सिरोही बकरी पालन,मत्स्य पालन ,मुर्गीपालन तथा सिलाई मशीन जैसे कार्य भी कार्यान्वित हो रहे है । इन सभी कार्य से लोग काफी लाभान्वित हुए है । नाबार्ड एवं सद्गुरु संस्था के मार्गदर्शन एवं सुचारू देखरेख के कारण लोगों में कार्यक्रम के प्रति जागरूकता एवं रुचि को बढ़ावा मिला है।

''रेवा शक्ति'' कार्यक्रम के तहत मिलेगी नीट और जेईई की निशुल्क कोचिंग सुविधा

हरदा ''रेवा शक्ति कार्यक्रम के तहत बेटियों को नीट और जेईई की निशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। सोसायटी फॉर प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स के तत्वाधान में ''फिजिक्स वाला'' कोचिंग संस्थान डॉटर्स क्लब में शामिल बेटियों को फ्री में नीट व जेईई जैसे कोर्स की कोचिंग निशुल्क कराएगा। शुक्रवार को फिजिक्स वाला के मार्केटिंग हेड श्री सागर दुबे तथा सोसायटी फॉर प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स संगठन के श्री दीपक सिंह राजपूत ने हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह से भेंट कर बताया कि रेवा शक्ति योजना के अंतर्गत बच्चों को राष्ट्रीय लेवल की कोचिंग अब संगठन के माध्यम से निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी ने बताया कि जिले में घटते लिंगानुपात को बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत ''रेवा शक्ति'' कार्यक्रम बेटी बचाओ दिवस पर प्रारम्भ किया जाएगा। इस अभियान के तहत ऐसे परिवारों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिनमें कि सिर्फ एक या दो बेटियां ही हैं। ऐसे परिवारों को शामिल करते हुए ''हरदा डॉटर्स क्लब'' गठित किया जाएगा।

नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर नहीं रोक, इन्हीं से लगता है जाम यातायात पुलिस नही होने से बेरिकेड्स हटा कर नगर जा रहे भारी वाहन

अलिराजपुर - नगर में भारी वाहनों का प्रवेश होने से दिनभर बार-बार जाम लगने के हालात बन रहे हैं। इससे आम जनता को बेहद परेशानी उठाना पड़ रही है। बस स्टैंड से लेकर निमचोक, जामा मस्जिद चोक,पोस्ट ऑफिस चौराहा, एमजी रोड, रामदेव जी मंदिर तक बाजार क्षेत्र में हर आधे घंटे में जाम की स्थिति बन जाती है। इसे पार करने में लोगों को बेहद दिक्कतें होती हैं, वहीं दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना रहता है। इसको लेकर नागरिक कई बार शिकायत करने के बाद भी नगर परिषद और पुलिस प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।नगर में लोडिंग वाहन ट्रक, पिकअप, टेम्पो, 407 सहित ट्रैक्टर-ट्रॉली आदि भारी वाहनों की दिनभर आवाजाही लगी रहती है। इन्हें रोकने व टोकने वाला कोई नहीं है। ऐसे वाहनों को नगर में सुबह से आना-जाना शुरू होता है, जो देर शाम तक चलता रहता है। इस कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस वजह से आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जाम की समस्या लो लेकर अधिकारियों ने कार्रवाई करना मुनासिब नहीं समझा। इसके चलते वाहन चालकों, के हौसले बुलंद हैं। नही वहा कोई यातायात पुलिस का कोई जवान मौजूद रहता। जिससे बेरिकेड्स हटा कर बड़े वाहन बिना रोक टोक नगर में प्रवेश कर रहे है। इसका खामियाजा लोगों को रोजाना जाम में फंसकर परेशानी के रूप में उठाना पड़ रहा

पाकिस्तानी एयरलाइंस के इस विज्ञापन ने सोशल मीडिया पर मचाई हलचल

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की स्थिति पिछले कुछ वर्षों में काफी खराब हो चुकी है, जिसके कारण वह कर्ज में डूबी हुई है। 2020 में, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए PIA की उड़ानें प्रतिबंधित कर दी गई थीं। हालांकि, चार साल के बाद अब यह एयरलाइंस फिर से यूरोप के लिए उड़ानें शुरू करने में सफल रही है। 10 जनवरी 2024 को PIA ने घोषणा की कि उसने पेरिस के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं, और अब पाकिस्तान से सीधा पेरिस के लिए उड़ान भरी जा सकेगी।पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के इस विज्ञापन ने न केवल सोशल मीडिया पर हलचल मचाई, बल्कि लोगों को यह सोचने पर मजबूर किया कि क्या यह एयरलाइंस अपनी छवि सुधारने के लिए सही रास्ते पर चल रही है। इस संदेश को PIA ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एक्स पर पोस्ट किया, जहां उन्होंने इस खबर को लोगों तक पहुंचाया। लेकिन एयरलाइंस की ओर से शेयर किए गए इस पोस्ट में एक ग्राफिक शामिल था, जिसे देखकर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने तुरंत प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया।

क्या था ग्राफिक में खास?

ग्राफिक में PIA ने पेरिस के लिए उड़ान की शुरुआत की जानकारी दी थी, लेकिन इसकी डिजाइन कुछ ऐसी थी कि कई लोगों को यह डरावना और विवादास्पद लगा। इससे पहले, PIA ने एक ग्राफिक में WTO को लेकर भी एक विवादित संदेश पोस्ट किया था, जिसके बाद इसे 9/11 हमले से जोड़ा गया था। अब, इस नए विज्ञापन में ग्राफिक में दिखाए गए विमान के आस-पास एफिल टावर जैसे महत्वपूर्ण प्रतीक को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने मजाक और आलोचना की। यह विज्ञापन वायरल होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। लोग हंसी-ठिठोली करते हुए लिखने लगे कि क्या PIA इस विज्ञापन के जरिए किसी को डराने की कोशिश कर रही है? एक यूजर ने तो यह तक लिखा कि क्या यह जानकारी दे रहे हैं या पेरिस में होने वाली किसी आपात स्थिति के लिए चेतावनी दे रहे हैं? वहीं कुछ यूजर्स ने तो मजाक करते हुए कहा, अरे भाई, एफिल टावर को गिरा मत देना !

इसके साथ ही कुछ यूजर्स ने यह भी सवाल उठाया कि पेरिस सरकार ने इस एयरलाइन को उड़ान की मंजूरी कैसे दी, जबकि यह एयरलाइंस पहले ही अपनी खराब छवि और प्रतिबंधों के कारण आलोचनाओं का सामना कर चुकी है। एक यूजर ने कहा, पेरिस ने इस एयरलाइन को कैसे मंजूरी दी? क्या उन्होंने इसके पिछले इतिहास को देखा था?

PIA की स्थिति

PIA पाकिस्तान की सबसे बड़ी एयरलाइंस है, लेकिन इसके लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है। आर्थिक संकट, कर्ज और खराब वित्तीय स्थिति के कारण PIA को कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बैन का सामना करना पड़ा था। हालांकि, चार साल के बाद अब उसने यूरोप के लिए उड़ानें फिर से शुरू की हैं, जिससे उसे उम्मीद है कि वह अपने गिरते हुए राजस्व को सुधार सकेगा। हालांकि, सोशल मीडिया पर किए गए इस विवादास्पद विज्ञापन के बाद PIA को यह समझने की जरूरत है कि इस तरह के विज्ञापन और ग्राफिक्स को संवेदनशीलता और ध्यानपूर्वक डिजाइन करना चाहिए, ताकि यह किसी को भी नुकसान न पहुंचाए और कंपनी की छवि को भी नुकसान न हो।

सत्ता से छोड़ने से पहले छलका बाइडेन का दर्द- मैं ट्रंप को चुनाव में हरा देता लेकिन...

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि वह नवंबर में हुए आम चुनावों में ट्रंप को हरा देते लेकिन उन्होंने डेमोक्रिटिक पार्टी की एकजुटता की खातिर चुनाव के बीच उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया। बाइडन से शुक्रवार को यहां व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया, राष्ट्रपति महोदय, क्या आपको चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर खेद है? क्या आपको लगता है कि आपने अपने पूर्ववर्ती (ट्रंप) को अपना उत्तराधिकारी बनने का आसान मौका दिया? इसपर बाइडेन ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं ट्रंप को हरा देता, हरा सकता था। मुझे लगता है कि कमला (हैरिस) ट्रंप को हरा सकती थीं।

पार्टी को एकजुट करने के लिए लिया फैसला

उन्होंने कहा, पार्टी को एकजुट करना महत्वपूर्ण है और जब पार्टी इस बात को लेकर चिंतित थी कि मैं आगे बढ़ पाऊंगा या नहीं, तो मैंने सोचा कि पार्टी को एकजुट करना बेहतर होगा। हालांकि मुझे लगा था कि मैं फिर से जीत सकता हूं। जून में अटलांटा में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच हुई 'डिबेट में बाइडेन (82) का प्रदर्शन कुछ खास नहीं था जिसके बाद से उनकी ही पार्टी के सदस्य बाइडेन के इस पद की दौड़ से हटने की बात करने लगे थे और अंततः बाइडेन ने ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने का फैसला किया था। बाइडेन की जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया था। हालांकि उन्हें ट्रंप के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

कमला हैरिस फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने में सक्षम

संवाददाता सम्मेलन के दौरान बाइडेन ने कहा कि कमला हैरिस फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा निर्णय है जिसके बारे में वह सोच सकती हैं। वह चार साल बाद फिर से चुनाव लड़ने के लिए सक्षम है। यह निर्णय उन्हें ही लेना होगा। इस दौरान बाइडेन से पूछा गया, क्या आप राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी सक्रिय रहने की योजना बना रहे हैं, या आप बुश मॉडल का अनुसरण करने जा रहे हैं, जहां आप लोगों की नजरों से ओझल रहेंगे? इसका जवाब देते हुए बाइडेन ने कहा, मैं न तो नजरों से ओझल होऊंगा और न ही दिलों से। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडेन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। उनकी जगह डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप बाइडेन से पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

बुधवार को अंतिम भाषण देंगे बाइडेन

बाइडेन नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से पांच दिन पहले बुधवार को ओवल ऑफिस से विदाई भाषण देंगे। बीस जनवरी को पद छोड़ने से पहले यह राष्ट्रपति के तौर पर अमेरिकियों और दुनियाभर के लोगों के लिए बाइडेन का अंतिम भाषण होगा, जो रात आठ बजे आरंभ होगा। वह सोमवार को विदेश मंत्रालय में अपने कार्यकाल की विदेश नीति पर केंद्रित एक भाषण देंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरिन जीन-पियरे ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि बाइडेन सोमवार को अपने भाषण में "50 से अधिक वर्षों के अपने सार्वजनिक जीवन पर बात करेंगे। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच हुई 'डिबेट में बाइडेन (82) का प्रदर्शन कुछ खास नहीं था ।

पाकिस्तान में दोहरी नागरिकता पर बढ़ी चिंता

22,000 से अधिक नौकरशाहों के पास है दोहरी नागरिकता

नेशनल डेस्क. पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की एक समिति को सूचित किया गया कि देश के 22,000 से ज्यादा नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है। यह जानकारी सामने आने के बाद पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं उठने लगी हैं। राजा खुर्रम नवाज की अध्यक्षता में आंतरिक मामलों से संबंधित एक बैठक हुई, जिसमें इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा की गई।

समिति के सदस्य इस चलन पर चिंता जताते हुए खासकर नौकरशाहों, न्यायाधीशों और सांसदों के लिए दोहरी नागरिकता पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। बैठक में इस पर भी विचार किया गया कि पाकिस्तान ने जिन देशों के साथ दोहरी नागरिकता समझौता किया है, उनके नागरिकों को पाकिस्तानी पासपोर्ट दिया जा सकता है। हालांकि, समिति के सदस्य अब्दुल कादिर पटेल ने इस पर सवाल उठाया और कहा कि नेशनल असेंबली के सदस्यों और न्यायाधीशों के लिए दोहरी नागरिकता पर रोक है, लेकिन नौकरशाहों के लिए यह क्यों नहीं लागू होती। उन्होंने इस संबंध में एक नया विधेयक बनाने की बात की, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोहरी नागरिकता वाले व्यक्ति को सरकारी सेवाओं में नियुक्त नहीं किया जाए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पी.पी.पी.) के आगा रफीउल्लाह ने भी दोहरी नागरिकता रखने वाले नागरिकों की संख्या और उनके द्वारा विदेशी नागरिकता छोड़ने से संबंधित आंकड़े मांगे हैं। इस मुद्दे पर राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के अध्यक्ष का उदाहरण दिया गया और दोहरी नागरिकता के नियमों में ढील पर चिंता व्यक्त की गई।

लड़कों के साथ फोन पर बात करने से रोकती थी मां, नाराज बेटी ने कुल्हाड़ी से कर दी हत्या

नेशनल डेस्क. बिहार में एक कलयुगी बेटी ने अपनी विधवा मां की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। दरअसल, मां उसे लड़कों के साथ फोन पर बात करने से रोकती थी, जो बात लड़की को पसंद नहीं आई। इससे नाराज होकर लड़की ने खौफनाक कदम उठाया और अपनी मां की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी बेटी को गिरफ्तार कर लिया है।

कई लड़कों से फोन पर बात करती थी बेटी

दरअसल, यह दिल दहला देने वाली घटना पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घिउवाढार गांव की है। बताया जा रहा है कि मंजू देवी अपनी बेटी सोनी के साथ घर में रहती थी। सोनी कई लड़कों से फोन पर बात करती थी। उसकी इस आदत को लेकर मां अक्सर उसे डांटती थी। वहीं 5 जनवरी को भी इसी बात लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। इसी दौरान सोनी ने गुस्से में आकर अपनी मां मंजू देवी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी।

वारदात के बाद हुई फरार

इतना ही नहीं, हत्या करने के बाद उसने खून लगे कपड़े धोए और घर को बाहर से बंद कर फरार हो गई। इस मामले में डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि पुलिस को 5 जनवरी को एक बंद कमरे में महिला की खून से सनी लाश मिली थी। शव के पास ही कुल्हाड़ी रखी हुई थी। वहीं स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद पता चला कि मृतका अपनी बेटी के साथ रहती थी, जो घटना के बाद से फरार थी।

बेटी ने कबूल किया अपना जुर्म

शक के आधार पर पुलिस ने डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम के साथ जांच शुरू की। एसपी ने डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया । वहीं 4 दिन की छानबीन के बाद पुलिस ने आरोपी बेटी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है।

3 अरब रुपये का आलीशान घर जलकर हुआ खाक

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिका के लॉस एंजिल्स काउंटी में पिछले कुछ दिनों से आग ने भारी तबाही मचाई है। लॉस एंजिल्स काउंटी के एक हिस्से में 3 अरब रुपये का आलीशान घर भी पूरी तरह से जल गया।इस आग ने 10,000 से यादा घरों को जलाकर खाक कर दिया है और पैसिफिक पैलिसेड्स और मालिबू जैसे इलाकों के 19,000 एकड़ से यादा क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतनी भयानक आग के बावजूद लॉस एंजिल्स की हवा दिल्ली की तुलना में काफी साफ है।

10 जनवरी को लॉस एंजिल्स का एयर क्वालिटी इंडेक्स 154 दर्ज किया गया, जो कि दिल्ली के AQI से काफी बेहतर है। इस समय दिल्ली का AQI 372 है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। इससे यह साफ होता है कि सामान्य दिनों में भी अमेरिकी शहरों में एयर क्वालिटी काफी अछी रहती है। दिल्ली की हवा खराब, जबकि रु में आग के बावजूद साफ सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लॉस एंजिल्स और दिल्ली के त्त्छ्र की तुलना करते हुए लिखा कि, आधा LA जल रहा है, फिर भी वहां की हवा दिल्ली से साफ है। वहीं, कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि दिल्ली की खराब हवा में हरियाणा और पंजाब के किसानों द्वारा पराली जलाने का भी असर है, जिससे धुंआ दिल्ली तक पहुंचता है।

दिल्ली चुनाव में मुफ्त योजनाओं पर भाजपा, कांग्रेस और आप की नजरें

नेशनल डेस्क. दिल्ली विधानसभा चुनाव अब मुफ्त योजनाओं के मुद्दे पर गहराई से प्रभावित हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा शुरू की गई मुफ्त योजनाओं को पहले मुफ्त की रेवड़ी और मुफ्तखोरी के रूप में आलोचना का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब यह तरीका भाजपा और कांग्रेस जैसी अन्य पार्टियों द्वारा भी अपनाया जा रहा है। कुल मिलाकर दिल्ली के चुनावी दंगल में तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों की उम्मीदें मुफ्त योजनाओं पर ही टिकी हुई हैं। दिल्ली में मुफ्त बिजली और पानी देने के वादे ने आम आदमी पार्टी को सत्ता में बैठाया था, लेकिन अब इन मुफ्त योजनाओं का राज्य पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। दिल्ली सरकार का बजट लगभग 76,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 15-20त्र हिस्सा मुफ्त योजनाओं के लिए आवंटित किया जाता है। दिल्ली सरकार हर साल 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने के लिए लगभग 3,250 करोड़ रुपये खर्च करती है। इसके अलावा, मुफ्त पानी और अन्य सब्सिडी के कारण राज्य के खजाने पर भारी दबाव पड़ रहा है। यदि अरविंद केजरीवाल द्वारा महिला सम्मान योजना लागू की जाती है, तो इससे दिल्ली सरकार पर 4,560 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च हो सकता है। इसके अलावा, भाजपा और कांग्रेस ने भी चुनावी वादों के तहत कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की है। भाजपा ने वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए भी बिजली सब्सिडी देने का वादा किया है, जबकि कांग्रेस ने 400 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना बनाई है। कांग्रेस ने इसके अतिरिक्त, प्रत्येक निवासी के लिए 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता देने का वादा किया है। इन घोषणाओं के चलते दिल्ली सरकार पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि मुफ्त योजनाओं पर भारी खर्च किया जा रहा है। दिल्ली सरकार के वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य को अगले कुछ वर्षों में भारी घाटे का सामना करना पड़ सकता है। अगर इन योजनाओं को पूरे राज्य में लागू किया गया, तो सरकार को इसके लिए और अधिक संसाधन जुटाने की आवश्यकता पड़ेगी। दिल्ली के अलावा, अन्य राज्यों में भी मुफ्त योजनाओं के बोझ का सामना किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, महाराष्ट्र में भाजपा सरकार द्वारा लाड़की बहिन योजना को लेकर वित्तीय संकट का सामना किया जा रहा है। चुनाव से पहले इस योजना के तहत राज्य सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था। बाद में, इस राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का भी वादा किया गया। इसके लिए सरकार को हर साल लगभग 63,000 करोड़ रुपये चाहिए। पिछले साल के बजट में महाराष्ट्र सरकार ने इस योजना के लिए 46,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन अब राज्य सरकार को इस भारी बोझ को उठाने में कठिनाई हो रही है। राज्य के कृषि मंत्री ने हाल ही में कहा कि लाड़की बहिन योजना के कारण कृषि ऋण माफी योजना को लागू करने में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी सुक्खू सरकार ने मुफ्त योजनाओं का वादा किया था। राज्य सरकार ने महिलाओं को 1,500 रुपये और 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। जब इन योजनाओं को लागू किया गया, तो राज्य की आर्थिक स्थिति बहुत बिगड़ गई। यहां तक कि 1 सितंबर 2024 को राज्य के 2.5 लाख सरकारी कर्मचारियों और 1.5 लाख पेंशनर्स के खातों में न तो सैलरी आई, न ही पेंशन। सरकार ने जरूरी योजनाओं पर खर्च करने में कठिनाई महसूस की और बाद में बिजली सब्सिडी छोड़ने की अपील की। अनुमान है कि 2024-25 में हिमाचल का वित्तीय घाटा 10,784 करोड़ रुपये तक जा सकता है। झारखंड में भी हेमंत सोरेन सरकार ने मुफ्त योजनाओं के जरिए सत्ता हासिल की थी। यहां मइया सम्मान योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह दिए जा रहे थे, जिसे बाद में बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया। इसके अलावा, राज्य सरकार ने मुफ्त बिजली देने की योजना भी लागू की है। लेकिन इन योजनाओं का बोझ राज्य के खजाने पर बढ़ रहा है। जनवरी 2025 में इस योजना के तहत महिलाओं के खातों में राशि ट्रांसफर करते समय राज्य खजाने पर एक महीने के लिए 1,415 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। यदि यह योजना जारी रहती है, तो राज्य सरकार को सालाना 16,980 करोड़ रुपये का खर्च उठाना पड़ सकता है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये का फंड मांगा है, जो राज्य को मिलनी वाली कोयला रॉयल्टी का हिस्सा है। इसका साफ मतलब है कि मुफ्त योजनाओं का बोझ सरकारों के लिए भारी पड़ सकता है। हालांकि, अगर इन योजनाओं को रणनीतिक रूप से लागू किया जाए तो ये नकारात्मक नहीं हो

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569